▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 177 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 22-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

90% तक लोन उपलब्ध

विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्त्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

'बुद्धिमान लोग प्रभु-भक्ति, परोपकार और सत्संग में समय का उपयोग करते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रेजर टाउन स्थित अरिहंत विला में विराजित साध्वीश्री भव्य गुणाजी ने कहा कि संसार के सभी जीवों को प्रकृति समान रूप से 24 घंटे का समय देती है, न किसी को अधिक, न किसी को कम, फिर भी कुछ अत्यंत अज्ञानी जीव शराब, दुर्व्यसन तथा अश्लील फिल्में और धारावाहिक देखकर समय को नष्ट कर देते हैं, कुछ लोग मौज-मस्ती, खाने-पीने और घूमने-फिरने में समय पास कर देते हैं जबकि कुछ बुद्धिमान जीव समय के एक-एक सेकंड का प्रभु-भक्ति, परोपकार और सत्संग में सदुपयोग कर अपार पुण्य-कमाई कर लेते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि जब जीवन से 5, 10, 15 या 25 वर्ष कम हो जाते हैं, तब क्या पार्टी मनानी चाहिए या पश्चाताप करना चाहिए? मेरे आयुष्य से 10-15 वर्ष कम हो गए-मृत्यु निकट आ रही है-अब मुझे परलोक की तैयारी में लग जाना चाहिए। जीवन बढ़ाया भले ही न जा सके, लेकिन सुधारा तो अवश्य जा सकता है। यदि शांति का अनुभव करना हो तो घर को नहीं, मन को एयर-कंडीशन बनाइए और जीभ को शुगर फैक्ट्री बनाइए। संबंधों में मिठास बनाए रखने के लिए दिमाग का नहीं, दिल का उपयोग कीजिए।

सूरत पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपए मूल्य का कोबरा का विष जब्त किया, सात लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपए मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है।

सूरत पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के उपायुक्त राजदीपसिंह नाकम ने सोमवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ रुपए मूल्य का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। उन्होंने कहा कि पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में कोबरा विष बरामद हुआ है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि हाल ही में एसओजी को गुप्त जानकारी मिली थी कि एक गिरोह कोबरा विष एक व्यक्ति को बेचने की योजना बना रहा है। इसके बाद पुलिस ने निगरानी शुरू की और कुछ संदिग्धों पर नजर रखी।

डीसीपी ने कहा, चूंकि आरोपी बेहद सतर्क थे, इसलिए पुलिस ने एक व्यक्ति को ग्राहक के रूप में भेजकर विष के बदले आठ करोड़ रुपए की पेशकश की। इस पेशकश से आकर्षित होकर, गिरोह ने ग्राहक से सर्थना क्षेत्र में एक दुकान पर मिलने की सहमति दी और बाद में हमारे कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। हमने जब्त किए गए विष को फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा है।

नाकम ने कहा कि गिरफ्तार चार आरोपी वडोदरा जबकि तीन सूरत के निवासी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों में से कुछ निजी कंपनियों में काम करते हैं जबकि कुछ छोटो कारोबार करते हैं। उन्होंने कहा, वडोदरा के चार आरोपियों की फिलहाल फरार घनश्याम सोनी से मुलाकात हुई थी और उन्होंने तय कमीशन पर विष बेचने पर सहमति जताई थी। फिर उन्होंने सूरत के तीन निवासियों से संपर्क किया ताकि एक उपयुक्त ग्राहक मिल सके। विष का सही स्रोत सोनी के पकड़े जाने के बाद पता चलेगा।

बुधवार को बेंगलूरु स्थित सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह और इनक्यूबेशन सेंटर और ऑडिटोरियम कर उद्घाटन उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल थावरचन्द गहलोत, ज्ञानंदरा ट्रस्ट के अध्यक्ष केसी राममूर्ति, सीएमआर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति डॉ. सविता राममूर्ति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर संस्थान के प्रपत्र का विमोचन किया गया।

भारत सशक्त बनना चाहता है, जिससे कोई उसपर अपनी शर्तें न थोप सके : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनना चाहता है, न तो किसी पर प्रभुत्व जमाने के लिए और न ही अन्य देशों पर अनुचित नियम थोपने के लिए, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी भारत पर अपनी शर्तें थोपने की हिमाकत न करे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आज केवल प्रौद्योगिकी को अपनाने वाला देश नहीं है, बल्कि प्रौद्योगिकी के निर्माता के रूप में उभर रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को जीवंत और सहायक बनाया है। उपराष्ट्रपति यहां सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह में लोगों को संबोधित कर रहे थे।राधाकृष्णन ने कहा, भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा...हम सबसे शक्तिशाली बनना चाहते हैं, अन्य देशों पर प्रभुत्व स्थापित करने या अन्य देशों पर अनुचित नियम थोपने के लिये नहीं। बल्कि, भारत माता पर कोई भी अपनी शर्तें थोपने की हिम्मत न करे, इसीलिए हम दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज का वैश्विक परिदृश्य चुनौतियों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा खतरे, प्रौद्योगिकी तक समान पहुंच और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नैतिक उपयोग कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह चुनौतियां नवाचार, उद्यमिता और नेतृत्व के लिए भी अविश्वसनीय अवसर प्रदान करती हैं।राधाकृष्णन के अनुसार, ऐसे समय में जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थिरता की चुनौतियों और वैश्विक अनिश्चितताओं से आकार ले रही है, छात्रों से उम्मीद की जाती है कि वे रचनात्मक, नैतिक, साहसी, मजबूत और आत्मविश्वासी बने रहें। उन्होंने छात्रों से कभी हार न मानने का आग्रह करते हुए कहा, किस्मत हर बार हमारा साथ नहीं देती, लेकिन कड़ी मेहनत से किस्मत कम से कम एक बार तो हमारा साथ देगी ही, और वह पल बहुत अच्छा होगा।

उन्होंने कहा, आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए और अपनी सुविधानुसार गति से लगातार उस लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए, कभी भी किसी से अपनी तुलना न करें। हर किसी में कुछ खूबियां और कुछ कमियां होती हैं। किसी भी काम में कड़ी मेहनत, ईमानदारी और लगन से काम करने से शायद उसी दिन सफलता न मिले, लेकिन किसी और दिन उससे भी बड़ी सफलता जरूर मिलेगी। यहां तक कि भगवान भी उस सफलता को आपसे छीन नहीं सकते।

एसएमवीटी बेंगलूरु और राधिकापुर के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में लंबी दूरी की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु और राधिकापुर के बीच एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू करने को मंजूरी दे दी है।

ट्रेन नंबर 16223 एसएमवीटी बेंगलूरु-राधिकापुर साप्ताहिक एक्सप्रेस सेवा 22 जनवरी से शुरू होगी। ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को दोपहर 01:50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और शनिवार को दोपहर 12:45 बजे राधिकापुर पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 16224 राधिकापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु

साप्ताहिक एक्सप्रेस सेवा 25 जनवरी से शुरू होगी। ट्रेन प्रत्येक रविवार को रात 09.30 बजे राधिकापुर से रवाना होगी और मंगलवार को रात 08.45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी।

इन ट्रेनों का ठहराव कृष्णराजपुरम, बंगारपेट जंक्शन, कुप्पम, जोलारपेट्टई जंक्शन, काटपाडी जंक्शन, अराक्कोनम, पेरम्बूर, सुल्लुरुपेटा, नायडूपेटा, नेल्लोर, ओंगोल, बापटला, तेनाली, न्यू गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, ताडेपल्लीगुडेम, राजमुंदरी, सामलकोट जंक्शन, अनाकापल्ले, दुव्वाडा, सिम्हाचलम उत्तर, पेंडुर्ती, कोट्टावलसा, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, सोमपेटा, इच्छापुरम, ब्रह्मपुर, बालूगांव, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर क्योंझर रोड, भद्रक, बालासोर, खड़गपुर, अंदुल, दानकुनी, बर्द्धमान, बोलपुर शांतिनिकेतन, रामपुरहाट, न्यू फरक्का, मालदा टाउन, हरिश्चंद्रपुर, बारसोई और रायगंज दोनों दिशाओं में होगा। ट्रेन संख्या 16223 एसएमवीटी बेंगलूरु-राधिकापुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का कालियागंज में अतिरिक्त ठहराव होगा। ट्रेन में 22 कोच होंगे, जिनमें 2टियर एसी के 2 कोच, 3टियर एसी के 6 कोच, 8 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच, 1 लगेज कम ब्रेक वैन और दिव्यांगों के लिए कंपार्टमेंट वाला 1 सेकंड क्लास लगेज कम ब्रेक वैन शामिल है।

लगातार तीसरे दिन बाजार कमजोर, सेंसेक्स 82,000 के स्तर के नीचे बंद

मुंबई/भाषा। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने, वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे सत्र में सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही।कारोबारियों के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपए के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच जाने और वित्तीय, बैंकिंग एवं उपभोग से जुड़े शेयरों में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बनाए रखा।बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक और मारुति सुजुकी प्रमुख नुकसान में रहीं। दूसरी ओर, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंटरग्लोब एविएशन (यानी इंडिगो) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मजबूती दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,938.33 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,665.69 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की।एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की नुकसान में बंद हुआ जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान गिरावट का रुख देखा गया। अमेरिकी बाजार मंगलवार को तेज गिरावट के साथ बंद हुए थे जहां नैस्डैक कंपोजिट में 2.39 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 2.06 प्रतिशत और डॉऊ जोन्स में 1.76 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

सरस्वती पूजा

कोलकाता में बुधवार को लोग 'सरस्वती पूजा' त्योहार से पहले कोलकाता में देवी सरस्वती की मूर्तियों को देखते हुए।

टैक्सी सर्विस

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को शिमला के चलौंथी हेलीपोर्ट पर हेली-टैक्सी सर्विस को हरी झंडी दिखाई।

गुजरात का नीति-आधारित शासन मॉडल निवेश के लिए सबसे बेहतर: हर्ष संघवी

दावोस/भाषा। गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य के नीति-आधारित शासन मॉडल और मजबूत स्थिरता के कारण, गुजरात निवेश के लिए सबसे बेहतर स्थान है। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से राज्य में डेटा पार्क, उन्नत विनिर्माण और रक्षा सुविधाएं स्थापित करने का आह्वान किया।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से इतर यहां 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि धोलेरा स्मार्ट सिटी वैश्विक स्तर पर डेटा सेंटर के लिए एक आदर्श स्थान है जबकि गिफ्ट सिटी दुनिया भर की कंपनियों के लिए एक प्रमुख वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) केंद्र बन गई है।

संघवी ने उन 'तथाकथित बुद्धिजीवियों' पर कटाक्ष किया जिन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'गिफ्ट सिटी' को देश का पहला अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र घोषित किए जाने को 'दिवास्वप्न' बताया था। उन्होंने कहा कि वही लोग आज वहां 'सेल्फी' लेते नजर आते हैं।

सिंघवी ने कहा कि गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में अधिक सौभाग्यशाली रहा है क्योंकि उसने प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व बहुत पहले ही हासिल किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही अब तक का सबसे मजबूत भारतीय प्रतिनिधिमंडल दावोस पहुंचा है जिसमें 10 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं और वह इस दल के युवा सदस्य होने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात लंबे समय से नमक से लेकर विमान तक पूरे विनिर्माण क्षेत्र में अपनी क्षमता दिखाता आया है और दुनिया भर के निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य रहा है।

संघवी ने कहा कि गुजरात एक नीति-आधारित राज्य है जहां मजबूत स्थिरता, सुरक्षा, कुशल कार्यबल एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था है जो मोदी के मुख्यमंत्री काल से लगातार बनी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य किसी भी निवेश समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने से पहले विस्तृत व्यवहार्यता अध्ययन करता है जिससे निवेश को तेजी से धरातल पर उतारने में मदद मिलती है और यह प्रणाली भी मोदी के कार्यकाल से लागू है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दावोस में उनका ध्यान नई पीढ़ी के क्षेत्रों में अवसर तलाशने पर है और वह केवल एमओयू के पीछे नहीं भाग रहे हैं, क्योंकि निवेश अपने आप गुजरात की ओर आता है।

'और कितना सुखाओगे सुखना लेक को' : सीजेआई सूर्यकांत ने चंडीगढ़ की झील पर चिंता जताते हुए कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने बिल्डर माफिया और नौकरशाहों के बीच मिलीभगत के परिणामस्वरूप चंडीगढ़ की प्रतिष्ठित झील के सूखने पर चिंता जताते हुए बुधवार को टिप्पणी की कि ''सुखना झील को और कितना सुखाओगे''।प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ 1995 में लंबित जनहित याचिका 'इन रे: टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद' में दायर अंतरिम आवेदनों की सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक अधिवक्ता द्वारा झील से संबंधित याचिका का उल्लेख करने पर मौखिक टिप्पणी की, ''और कितना सुखाओगे सुखना लेक को?

पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप झील पूरी तरह से नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं।''इससे पहले शीर्ष अदालत ने आश्चर्य व्यक्त किया था कि जंगलों और झीलों से संबंधित सभी मामले उच्च न्यायालयों को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय में क्यों आ रहे हैं, वह भी 1995 की लंबित जनहित याचिका में अंतरिम आवेदनों के रूप में। पीठ ने सुनवाई के शुरुआत में आश्चर्य व्यक्त किया कि वन संबंधी सभी मामले इसी अदालत में क्यों आ रहे हैं? सुखना झील मामले से संबंधित एक आवेदन का जिक्र करते हुए कहा था कि जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ निजी डेवलपर्स और अन्य लोगों के इशारे पर दोस्ताना मुकाबला चल रहा है।

अंतरिक्ष से दुनिया को देखकर नजरिया बदल जाता, बहस बेकार लगती है: सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा कि अंतरिक्ष में जाने से जीवन को देखने का उनका नजरिया बदल गया है और जब वहां से पृथ्वी को एक ही ग्रह के रूप में देखा जाता है, तो इंसानों का आपस में बहस करना या अलग-अलग मुद्दों पर मतभेद रखना बहुत ही व्यर्थ लगता है। हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा से सेवानिवृत्त हुईं सुनीता विलियम्स(60) इन दिनों भारत के दौरे पर हैं। वह यहां अमेरिकन सेंटर में आयोजित आइज ऑन द स्टार्स, फीट ऑन द ग्राउंड नाम के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस बातचीत में उन्होंने अपने हाल के अंतरिक्ष मिशन के बारे में बताया। यह मिशन शुरू में केवल आठ दिन का था, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में आई तकनीकी खराबियों के कारण वह नौ महीने से ज्यादा समय तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) में रहने को मजबूर हुईं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा एक तरह का टीम का खेल है और सभी देशों को

मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि हम सब एक ही ग्रह पर बसे हैं। विलियम्स ने कहा, जब आप अंतरिक्ष में पहुंचते हैं, तो सबसे पहले हर इंसान अपना वतन ढूंढने की कोशिश करता है। मेरे पिता भारत से और मां स्लोवेनिया से हैं, इसलिए मैं इन दोनों जगहों को खोजती हूं। यही सबसे पहली भावना होती है। उन्होंने हालांकि यह भी बताया कि धीरे-धीरे आपकी यह सोच बदल जाती है और पूरी पृथ्वी एक ही घर जैसी लगने लगती है। उन्होंने कहा, हमारे ग्रह पर जीवन है। कुछ लोगों को लगता है कि वहां से केवल चट्टानी भूमि दिखती होगी। लेकिन अंतरिक्ष से मैं मौसम के बदलाव, समुद्र के रंगों में फर्क, शैवाल के फैलने, उत्तर और दक्षिण ध्रुव के पास बर्फ की चादरों को साफ देख सकती थी।

उन्होंने कहा कि ऊपर से इस खूबसूरत और जीवंत ग्रह को देखने से जीवन को समझने का नजरिया बदल जाता है। अंतरिक्ष यात्री ने कहा, इससे लोगों के बीच मतभेदों को देखने का तरीका भी बदल जाता है।

नृत्य

मनाली में पांच दिन के विंटर कार्निवल के दूसरे दिन बुधवार को महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिलाएं मॉल रोड पर महानती डांस करती हुईं।

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 177 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 22-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कर्नाटक के राज्यपाल ने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार किया

6 इतिहास का सबसे लंबा अनुत्तरित प्रश्न नेताजी की मौत

7 डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता है : शिवांगी जोशी

दुनिया को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए : जयशंकर

भारत में निर्मित पहला सी-295 सैन्य विमान सितंबर से पहले बनकर तैयार हो जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की मजबूत विनिर्माण क्षमताओं की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत में निर्मित पहला सी-295 सैन्य विमान सितंबर से पहले बनकर तैयार हो जाएगा।

स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बारेस के साथ बैठक के दौरान जयशंकर ने कहा कि दुनिया को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''विश्व व्यवस्था में स्पष्ट रूप से बड़ा बदलाव आ रहा है। साझा चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रों का सहयोग करना पहले से कहीं अधिक अनिवार्य है।'' उन्होंने कहा, ''यह बात विशेष रूप से आतंकवाद से निपटने के संदर्भ में लागू होती है, जहां भारत और स्पेन दोनों ही पीड़ित रहे हैं। दुनिया को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनानी चाहिए।''

विदेश मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूरोपीय संघ के गहरे संबंधों के लिए स्पेन के समर्थन का आभार व्यक्त किया और भारत समर्थित 'हिंद-प्रशांत समुद्र पहल' (आईपीओआई) में शामिल होने के लिए यूरोपीय राष्ट्र का स्वागत किया।

जयशंकर ने भारत और स्पेन के बीच बढ़ते व्यापार और रक्षा सहयोग पर प्रकाश डाला और सी-295 विमान परियोजना का उल्लेख किया।

अक्टूबर 2024 में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज ने गुजरात के वडोदरा में सी-295 विमान के अंतिम निर्माण चरण संयंत्र की शुरुआत की।

वायु सेना को 'एयरबस डिफेंस एंड स्पेस' के साथ 21,935 करोड़ रुपए के सौदे के तहत 56 सी-295 विमान मिल रहे हैं। इनमें से 40 विमान भारत में निर्मित किए जाएंगे।

जयशंकर ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच आर्थिक साझेदारी समग्र संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

फर्स्ट टेक

रुपया लुढ़ककर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.65 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया बुधवार को 68 पैसे लुढ़ककर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 91.65 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता एवं जोखिम से बचने की धारणा के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया 16 दिसंबर 2025 को 91.14 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस महीने अब तक स्थानीय मुद्रा में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक अनिश्चितता में वृद्धि है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड मुद्दे और संभावित शुल्क को लेकर यूरोप के साथ बढ़ते तनाव के कारण निवेशकों ने सतर्कता का रुख अपनाया है। इसके अलावा, घरेलू बाजार में नकारात्मक रुझान ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

जापान के साथ तनाव के बीच दो जुड़वा पांडा चीन लौटेंगे

बीजिंग/भाषा। चीन और जापान के बीच कूटनीतिक तनाव के बीच, जापानी जनता के चहेते जुड़वां पांडा अगले सप्ताह अपने मूल निवास चीन लौट जाएंगे। चीन ने बुधवार को संकेत दिया कि वह इनकी जगह पर अन्य पांडा नहीं भेजेगा। चीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने प्रेस वार्ता में बताया कि चीन और जापान के बीच हुए समझौते के आधार पर, टोक्यो के उएनो चिड़ियाघर में रहने वाले विशाल पांडा शियाओ शियाओ और लेई लेई फरवरी से पहले निर्धारित समय पर लौट आएंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि जापान में बहुत से लोग विशाल पांडा को पसंद करते हैं, और हम जापानी मित्रों का चीन में आकर उनसे मिलने के लिए स्वागत करते हैं।''

रूस-यूक्रेन युद्ध पर समझौते के काफी करीब : ट्रंप

दावोस/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें लगता है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए एक समझौते के 'काफी करीब' हैं, हालांकि उन्हें पहले ऐसा लगा था कि वह कुछ ही घंटों में इसे कर लेंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इसे अभी समाप्त नहीं करते हैं तो वे मूर्ख होंगे, और वह जानते हैं कि वे मूर्ख नहीं हैं। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान यहां ट्रंप ने कहा कि वह ''युद्ध के मामलों को सुलझाने'' के काम में अच्छे हैं, हालांकि यह काम संयुक्त राष्ट्र को करना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ''मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है...लेकिन मैंने चार से अधिक मामलों को सुलझाया।''

डबल-डेकर बस

बुधवार को बेंगलूरु में कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा अनावरण के दौरान सजाई गई डबल-डेकर बसें।

पुणे ग्रैंड टूर

बुधवार को पुणे ग्रैंड टूर के दूसरे चरण के दौरान साइकिल राइडर्स रेस में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए।

हिंदुओं का धन हिंदुओं के लिए उपयोग हो : विहिप

प्रयागराज/भाषा। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के शिविर में बुधवार को आयोजित विराट संत सम्मेलन में विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि हिंदुओं के धन का उपयोग हिंदुओं के लिए होना चाहिए। विहिप की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, कुमार ने कहा, मंदिरों के अधिग्रहण का विषय बहुत बड़ा विषय है। मंदिरों का धन हिंदू समाज के लिए उपयोग होना चाहिए। गौशाला, गुरुकुल हिंदू समाज की गतिविधियों के केंद्र बनने चाहिए। यदि अल्पसंख्यक अपने संस्थान अपनी मर्जी से चलाते हैं तो हिंदू समाज अपने मंदिर, अपने गुरुकुल क्यों नहीं चला सकते।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने वैश्विक उद्योग जगत और उद्यमियों से की अपील

'भविष्य के शहर' बेंगलूरु में निवेश के लिए आगे आएं वैश्विक निवेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दावोस/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को वैश्विक उद्योग जगत और उद्यमियों से बेंगलूरु को 'भविष्य का शहर' बताते हुए वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। शिवकुमार ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए कहा, बेंगलूरु में बेहतरीन मौसम, संस्कृति और विश्वस्तरीय मानव संसाधन उपलब्ध हैं। मैं आप सभी को बेंगलूरु आने का आमंत्रण देता हूं।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में लगभग 500 फॉर्च्यून कंपनियां कार्यरत हैं और वैमानिकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन प्रतिभाएं उपलब्ध हैं। उपमुख्यमंत्री ने कर्नाटक में स्वास्थ्य शिक्षा की स्थिति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 70 मेडिकल कॉलेज हैं जो हर साल करीब 1.5 लाख स्वास्थ्य पेशेवर तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, साथ आना एक शुरुआत है, साथ रहना प्रगति है और मिलकर काम करना सफलता है। आइए हम सभी मिलकर आगे बढ़ें।

दुनिया के प्रौद्योगिकी केंद्रों की तुलना करते हुए शिवकुमार ने कहा, कैलिफोर्निया में लगभग 13 लाख इंजीनियर हैं जबकि एशिया की 'आईटी राजधानी' बेंगलूरु में करीब 25 लाख इंजीनियर हैं। यही बेंगलूरु की ताकत है। इसी वजह से वैश्विक निवेशक और उद्योगपति इस शहर की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। शिवकुमार ने कहा, कर्नाटक में दक्ष प्रशासन है और हम निवेशकों को पूर्ण सहयोग देंगे।

'विकसित भारत' के विचार का विरोध करती है कांग्रेस : सोनोवाल

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस 'विकसित भारत' के विचार का विरोध करती है क्योंकि उसकी राजनीति वंशवाद पर आधारित है, विकास पर नहीं। सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दशकों तक सत्ता कुछ ही परिवारों के हाथों में सिमटी रही, जबकि गरीब और वंचित लोगों की आकांक्षाओं को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत, भाजपा की गरीब कल्याण और विकास के प्रति प्रतिबद्धता नये भारत की नई राजनीतिक संस्कृति के रूप में उभरी है, जिसका शासन प्रदर्शन, पारदर्शिता और सबसे कमजोर वर्ग के व्यक्ति के सशक्तीकरण पर आधारित है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047' का दृष्टिकोण गांव-केंद्रित और गांव के नेतृत्व वाली विकास क्रांति को गति दे रहा है, जिससे ग्रामीण भारत देश की विकास रणनीति के केंद्र में आ गया है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि विकास अंतिम छोर तक पहुंचे, किसानों, श्रमिकों और युवाओं को सशक्त बनाए।

'भ्रष्ट' सत्ता बड़ी चुनौतियां पेश करती है, उनका निडरता से सामना करें : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को हरियाणा और उत्तराखंड के जिला इकाई प्रमुखों से कहा कि ''भ्रष्ट'' सत्ता बड़ी चुनौतियां पेश करती है, लेकिन उन्हें निडर होकर उसका सामना करना होगा।

कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) प्रमुखों के लिए यहां आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा, ''आपको जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आपको इसे निडरता और समर्पण के साथ निभाना होगा। आप कांग्रेस के योद्धा हैं और आपको योद्धाओं की तरह काम करना होगा।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि ''भ्रष्ट'' सत्ता बड़ी चुनौतियां पेश करती है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को निडर होकर उनका सामना करना होगा तथा संगठन को और मजबूत करना होगा।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए राहुल गांधी ने कहा, ''कोई भी आपकी आवाज को दबा नहीं सकता, क्योंकि कांग्रेस जैसा मजबूत संगठन आपके साथ खड़ा है।'' उन्होंने कहा कि पार्टी समय-समय पर उनकी प्रगति का मूल्यांकन करेगी और आवश्यक मार्गदर्शन एवं समर्थन प्रदान करेगी। हरियाणा के लिए कांग्रेस के प्रभारी महासचिव बी.के. हरिप्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राहुल गांधी ने डीसीसी प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाएं।

भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि भारत आने वाले कुछ वर्ष में निश्चित रूप से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वहीं अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि यह 2028 या उससे भी पहले संभव है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के एक सत्र में यहां वैष्णव ने कहा कि चिंता का एकमात्र विषय अमीर देशों में कर्ज का पहाड़ और उनका भारत पर संभावित असर क्या होगा है।

गोपीनाथ ने कहा कि भारत के लिए चुनौती तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना नहीं है बल्कि प्रति व्यक्ति आय को ऊंचे स्तर तक ले जाना है।

वैष्णव ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में परिवर्तनकारी बदलाव हुआ है जो सुविचारित, स्पष्ट रूप से परिभाषित और बेहतर क्रियान्वयन पर आधारित है। उन्होंने बताया कि यह चार स्तंभों भौतिक, डिजिटल एवं सामाजिक अवसंरचना में सार्वजनिक निवेश, समावेशी विकास, विनिर्माण एवं नवाचार और प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर टिका है। वैष्णव ने कहा, इन सभी को प्रौद्योगिकी मंच के साथ जोड़कर हमने ऐसा ढांचा तैयार किया है जिससे अगले पांच वर्ष में भारत छह से आठ प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि, दो से चार प्रतिशत की महंगाई और 10-13 प्रतिशत की बाजार मूल्य आधारित वृद्धि हासिल करेगा। उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री तथा सरकार की प्राथमिकता गरीबों की सुरक्षा है और इसी कारण 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है।''

22-01-2026 सूर्यास्त	23-01-2026 सूर्योदय
6:16 बजे	6:46 बजे

BSE	NSE
81,909.63	25,157.50
(-270.84)	(-75.00)

सोना	चांदी
16,129 रु.	323,219 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

'प्रधानमंत्री मोदी एक शानदार व्यक्ति और मेरे अच्छे मित्र हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अपने ''मित्र'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बहुत सम्मान करते हैं और वह एक अच्छा व्यापार समझौता करने जा रहे हैं।

'मनीकंट्रोल' ने ट्रंप के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''मेरे मन में आपके प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) के लिए बहुत सम्मान है। वह एक शानदार व्यक्ति हैं और मेरे मित्र भी हैं। हम एक अच्छा (व्यापार) समझौता करने जा रहे हैं।'' खबर में कहा गया है कि उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में यह टिप्पणी की।

ट्रंप विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए दावोस में थे।

अमेरिका बलपूर्वक ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में नहीं लेगा : ट्रंप

दावोस/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उनका देश ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने के लिए बल प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल अमेरिका ही खनिज-समृद्ध इस द्वीप की रक्षा कर सकता है।

ग्रीनलैंड का मुद्दा अमेरिका के यूरोप के साथ बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के केंद्र में है।

ट्रंप ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में आर्थिक प्रगति हो रही है जबकि यूरोप ''सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है''।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने 70 मिनट लंबे भाषण में कहा, ''ग्रीनलैंड और डेनमार्क के लोगों के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है, तथा ग्रीनलैंड की रक्षा केवल अमेरिका ही कर सकता है।''

उन्होंने शुल्क, पर्यावरण और आव्रजन सहित कई मुद्दों पर उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगियों पर तीखा हमला किया।

उनके भाषण के बाद 20 मिनट का प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

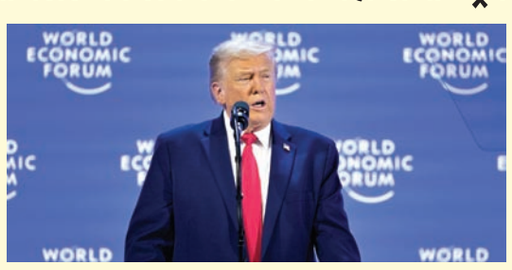

ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अपना दावा जताते हुए कहा, ''हमने खूबसूरत डेनमार्क के लिए लड़ाई लड़ी, जो एक भूमि नहीं, बल्कि हिमखंड का एक बड़ा टुकड़ा है, जो ठंडे और दुर्गम स्थान पर स्थित है। यह उस चीज की तुलना में बहुत छोटी मांग है जो हमने उन्हें कई दशकों तक दी है। इसे वापस देना हमारी मूर्खता थी।''

उन्होंने कहा, ''लोगों को लगा कि मैं बल प्रयोग करूंगा। मुझे बल प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है। मैं बल प्रयोग नहीं करूंगा।''

भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष रुकवाने का ट्रंप ने एक बार फिर किया दावा

दावोस/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को फिर अपने इस दावे को दोहराया कि उन्होंने कई अन्य युद्धों की तरह पिछले साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को रुकवाया था। ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ)की वार्षिक बैठक में अपने विशेष संबोधन में यह भी कहा कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। उन्होंने इसे भूमि नहीं बल्कि बर्फ का एक विशाल टुकड़ा बताया। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिका, चीन और रूस के बीच स्थित है और इसलिए हमें रणनीतिक कारणों से इसकी आवश्यकता है, न कि बर्फ के नीचे दबे दुर्लभ खनिजों की विशाल मात्रा के लिए।

हैदराबाद के पास 100 आवारा कुत्तों को जहर देकर मार डाला गया, मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के याचाराम गांव में बुधवार को कम से कम 100 आवारा कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मारने के मामले में एक सरपंच और दो अन्य के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह नई घटना छह जनवरी से अब तक तेलंगाना के विभिन्न जिलों में कम से कम 500 आवारा कुत्तों को मारे जाने के बाद सामने आई है।

'स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया' से जुड़े एक पशु कल्याण कार्यकर्ता ने याचाराम पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि 19 जनवरी को कुत्तों को कुछ जहरीले पदार्थों का इंजेक्शन लगाया गया था।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को याचाराम ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव और वार्ड सदस्य के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा कि शिकायतकर्ता के अनुसार, 100 कुत्ते मारे गए थे, लेकिन प्रारंभिक जांच और ग्रामीणों से पूछताछ में लगभग 50 कुत्तों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

इतिहास की अहमियत

सच्चा इतिहास,
सच की तस्वीर होता है।
पुरखों का गौरव,
कीमती जागीर होता है।
पीढ़ियों के लिए,
अद्भुत नजीर होता है।
झुठलाओ मत इसे,
वर्ना ये जंजीर होता है।।

उच्च शिक्षा में 'सुधरो नहीं तो बंद करो' नीति पर कार्य किया जाए: राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को कहा कि राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता पर कहीं कोई समझौता नहीं किया जाएगा और ऐसे शिक्षण संस्थान जिनके पास शैक्षिक गुणवत्ता नहीं है उन्हें बंद किया जाए। राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति बागड़े ने यहां लोकभवन में कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक में कहा कि उच्च शिक्षा में सुधरो नहीं तो बंद करो नीति पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बगैर अनुमति यदि कहीं किसी कॉलेज या शिक्षण संस्था को विश्वविद्यालय स्तर पर मान्यता दी गई है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि उच्च शिक्षा में सुधरो नहीं तो बंद करो। नीति पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता पर कहीं कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ऐसे शिक्षण संस्थान जिनके पास शैक्षिक गुणवत्ता नहीं है, उसे बंद किया जाए। बगैर अनुमति यदि कहीं किसी कॉलेज या शिक्षण संस्था की विश्वविद्यालय स्तर पर मान्यता दी गई है तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को सुदृढ़ किए जाने और वहां नियुक्त कुलगुरुओं का मनोबल बढ़ाने के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में स्कूल से उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास हों। शिक्षा ही विकास की नींव है, इसलिए इसके उत्थान के लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों। राज्यपाल बागड़े ने सभी विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग के लिए प्रभावी और समयबद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नेक रैंकिंग के लिए विश्वविद्यालयों में आ रही बाधाओं को दूर किया जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालयवार कुलगुरुओं से नेक में आ रही अड़चनों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षिक गुणवत्ता, पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में नवाचार से जुड़ी प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करें। राज्य सरकार स्तर से जुड़ी भर्ती और वित्तीय स्वीकृतियां से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी पूरा करने का जल्द प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से विश्वविद्यालय स्वीकृतियों से जुड़े मसलों पर त्वरित और समुचित निर्णय किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं किसी स्तर पर फाइलों को अनिर्णय की स्थिति में नहीं रखा जाए।

राज्यपाल बागड़े बुधवार को लोकभवन में कुलगुरु समन्वय समिति की बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमचंद बैरवा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा और कुलदीप रांका सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा पद्धति के अंतर्गत विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में भारतीय इतिहास, संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़ी शिक्षा के बारे में कुलगुरुओं से जानकारी लेते हुए कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्यपाल ने पुस्तकों से लुप्त, महत्वपूर्ण भारतीय इतिहास, हमारी ज्ञान परंपरा, महत्वपूर्ण विषयों को विश्वविद्यालयों में दीवार चयनित कर वहां प्रदर्शित किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने यहां ऐसी व्यवस्था भी सुनिश्चित करे जिसमें पुस्तकों से बाहर के ज्ञान, कलाओं, संस्कृति के बारे में माह में दो बार या सप्ताह में एक बार विद्यार्थी अध्यापक संवाद की शुरुआत की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में संवाद जरूरी है। इस पर सभी ध्यान दें।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को दीक्षांत समारोह प्रति वर्ष आयोजित किए जाने और उसे कम से कम खर्च में संपन्न किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में महालेखाकार ऑडिट भी हर वर्ष कराए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने ऑडिट टीम को सभी द्वारा सहयोग किए जाने की भी हिदायत दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों द्वारा गांव गोद लेकर उनके विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता से करने पर जोर दिया। उन्होंने गांवों में गरीबी दूर करने, वहां शिक्षा की प्रभावी व्यवस्था में सहयोग करने के लिए विशेष रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने तकनीकी विश्वविद्यालयों द्वारा गांवों में कौशल विकास से जुड़े प्रशिक्षण प्रारम्भ करने के भी निर्देश दिए।

अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की संपत्तियों की रक्षा के लिए विधेयक लाएगी राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मंत्रिमंडल की बैठक बुधवार को यहां हुई जिसमें अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पत्तियों एवं किरायेदारों के अधिकारों के संरक्षण के लिए विधेयक लाने, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण तथा सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में नई नीतियों के अनुमोदन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया मंत्रिमंडल की बैठक में 'राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इम्मूवेबल प्रोपर्टी एण्ड प्रोविजन फोर प्रोटेक्शन ऑफ टेनेन्ट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026' के प्रारूप को मंजूरी दी गई। पटेल ने बताया, जनसंख्या असंतुलन की स्थिति बनने से सार्वजनिक व्यवस्था, सद्भाव एवं मेलजोल से रहने के सामुदायिक चरित्र पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में दंगे, भीड़ द्वारा हिंसा से अशांति की परिस्थिति उत्पन्न होने पर उस क्षेत्र के स्थायी निवासियों को अपनी स्थायी सम्पतियां कम दामों पर बेचने को मजबूर होना पड़ता है। मंत्री ने कहा कि ऐसे क्षेत्र विशेष को अशांत क्षेत्र घोषित किए जाने के बाद सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना वहां अचल संपत्ति के हस्तांतरण को अमान्य एवं शून्य माना जाएगा। उन्होंने बताया कि विधेयक लागू होने के बाद ऐसे क्षेत्रों में सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति से ही अचल संपत्ति का हस्तांतरण इच्छुक व्यक्तियों द्वारा किया जा सकेगा।

मंत्री ने कहा कि विधेयक के इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर अपराध गैर जमानती और संज्ञेय होगा जिसमें तीन से पांच वर्ष तक कारावास और अर्थदंड का प्रावधान होगा। पटेल ने बताया, इस विधेयक के पारित होने के बाद राज्य में अशांत घोषित क्षेत्रों में स्थाई निवासियों की सम्पत्तियों एवं उक्त सम्पत्तियों पर किरायेदारों के अधिकारों को संरक्षण प्रदान किया जा सकेगा। साथ ही, राज्य में सामुदायिक सद्भावना एवं सामाजिक संरचना कायम रखी जा सकेगी। इस विधेयक को अब विधानसभा के आगामी सत्र में रखा जाएगा।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राज्य में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के उद्देश्य से 'राजस्थान एयरोस्पेस एवं रक्षा नीति' का अनुमोदन किया गया है। उनके मुताबिक, एमएसएमई, स्टार्टअप और नवाचार आधारित तंत्र के विकास पर केन्द्रित इस नीति के अंतर्गत राज्य में एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, रखरखाव और मरम्मत समेत अन्य संबंधित इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट द्वारा अनुमोदित राजस्थान की पहली राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति राज्य को सेमीकंडक्टर विनिर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग तथा संबद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में देश का प्रमुख गंतव्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राठौड़ के मुताबिक, यह नीति निवेशकों को आकर्षित कर सेमीकंडक्टर क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देगी और उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी।

उन्होंने बताया कि इस नीति का प्रमुख उद्देश्य सेमीकंडक्टर और सेंसर के क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना, विश्व-स्तरीय सेमीकंडक्टर पार्कों का विकास करना तथा फैबलेस डिजाइन तंत्र को सशक्त बनाना है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि बीकानेर तहसील के ग्राम लाखूसर में 72.06 हेक्टेयर भूमि एवं जैसलमेर जिले की उपनिवेशन तहसील रामगढ़ नं.2 के ग्राम रामगढ़ उत्तर में 745.41 हेक्टेयर भूमि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए सशर्त आवंटित करने की स्वीकृति दी गई है।

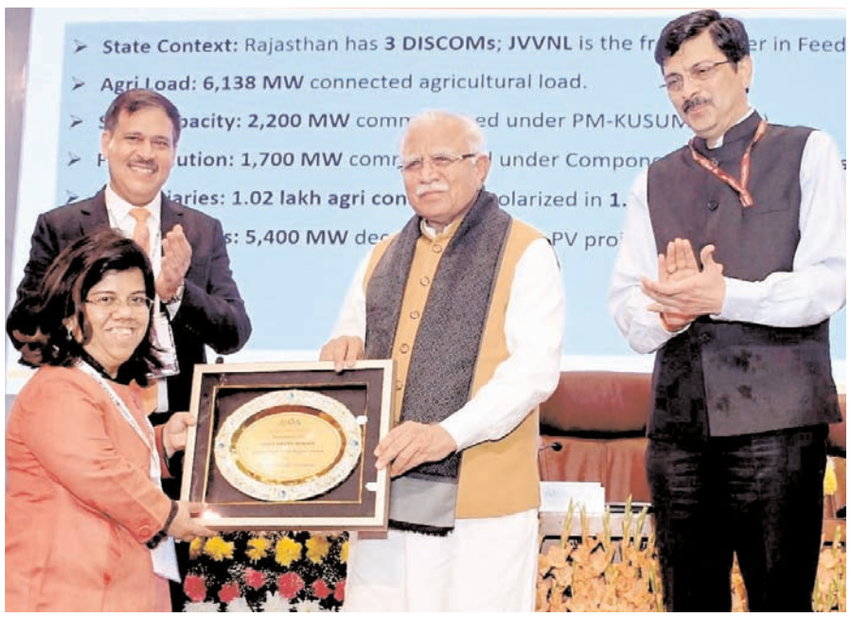

पीएम-कुसुम योजना में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए राजस्थान डिस्कॉम्स को मिला गोल्ड अवॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम योजना) के कम्पोनेंट-सी में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। राजस्थान डिस्कॉम्स की अध्यक्ष सुआरती डोगरा ने दिल्ली के स्कोप ऑडिटोरियम में बुधवार को आयोजित ऑल इण्डिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मान समारोह में यह पुरस्कार ग्रहण किया। समारोह में केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने राजस्थान डिस्कॉम्स को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि देश के कृषि क्षेत्र को सौर ऊर्जा से जोड़ने की दिशा में पीएम-कुसुम योजना भारत सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विगत दो वर्ष में राजस्थान इस योजना में अग्रणी बनकर उभरा है। राज्य में कम्पोनेन्ट-ए एवं कम्पोनेन्ट-सी में 2877 मेगावॉट के कुल 1307 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। डिस्कॉम्स चेयरमैन ने बताया कि कुसुम कम्पोनेन्ट-सी के अन्तर्गत फीडर लेवल सोलराइजेशन में भी राजस्थान डिस्कॉम्स देश में अग्रणी है। इसके अन्तर्गत प्रदेश में 2333 मेगावॉट क्षमता के 899 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। जिनसे 1 लाख़ 41 हजार 589 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली मिल रही हैश्र इस वर्ष के अंत तक कम्पोनेन्ट-सी में 5018 मेगावॉट के 1997 प्लांट स्थापित कराने का लक्ष्य है जिससे 3 लाख 62 हजार 197 कृषकों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा सकेगा।

जनता के प्रति जवाबदेह होकर कार्य करना हमारा संकल्प : बेढम

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने बुधवार को कहा कि जनता के प्रति जवाबदेह होकर कार्य करना सरकार संकल्प है। बेढम ने यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि हर नागरिक की समस्या सुनी जाए और उसका त्वरित समाधान किया जाए। मंत्री ने कहा, जनता के प्रति जवाबदेह होकर कार्य करना हमारा संकल्प है और यही भाजपा का मूल सिद्धांत है। पार्टी के बयान के अनुसार, पेपर लीक, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एवं अन्य मामलों पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय की गंभीर अनियमितताओं का अब खुलासा हो रहा है।

धौलपुर में बेटे ने मां की पीट-पीटकर हत्या की

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले में बुधवार सुबह एक महिला की उसके बेटे ने कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना राजाखेड़ा थाना क्षेत्र के बसई घीयाराम गांव में हुई। थाना प्रभारी गम्भीर सिंह ने बताया कि महिला पर सड़क पर ईंटों और पत्थरों से हमला किया गया। सूचना पा कर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को भी सबूत जुटाने के लिए बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान सोन देवी के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि महिला के छोटे बेटे संजय का मां से किसी बात पर विवाद हो गया था। गुस्से में संजय ने मां के सिर पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, संजय नशे का आदी है और उसका स्वभाव झगड़ालू है।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने की आत्महत्या

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में बुधवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को कथित तौर पर मार डाला और बाद में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना लूणकरनसर क्षेत्र के कालवास गांव में हुई, जहां धनपत बावरी (60) और उनकी पत्नी जीतो बावरी (55) के शव उनके घर में पाए गए। पुलिस उपाधीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि धनपत और जीतो दोनों अकेले रहते थे और उनके दो बेटे पास की ढाणी में रहते हैं। सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे धनपत का पोता तनु (12) स्कूल जाने के लिए निकला और दादा-दादी से मिलने उनके घर पहुंचा।

बाल कल्याण समिति चलाएगी 'फैंके नहीं, हमें दें' अभियान : अर्जुनराम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नवजात शिशुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से बाल कल्याण समिति द्वारा 'फैंके नहीं, हमें दें' अभियान चलाया जाएगा। केंद्रीय कानून मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और बीकानेर पश्चिम विधायक श्री जेठानंद व्यास ने बुधवार को पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान श्री मेघवाल ने कहा कि नवजात बच्चों को लावारिस स्थिति में छोड़ने की बजाय उन्हें सरकारी आश्रय अथवा रक्षा घरों में रखने के प्रति जागरूक करने का अभियान बेहद महत्त्वपूर्ण अभियान है। आमजन को इसके लिए जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नवजात बच्चों को लावारिस छोड़ना मानवीय दृष्टिकोण से बुरा कृत्य और अपराध है। उन्होंने कहा कि बाल कल्याण समिति निचले स्तर तक इसके प्रति जागरूकता पैदा करे और कानून सम्मत तरीकों से बच्चों को संरक्षित करें।

बीकानेर पश्चिम विधायक श्री जेठानंद व्यास ने कहा कि कई बार ऐसे दृश्य देखने को मिलते हैं जब माता-पिता अथवा अन्य परिजनों द्वारा नवजात बच्चों को असंवेदनशील तरीके से छोड़ देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते हैं, जिससे उनका दत्तक ग्रहण नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि पालना गृह सहित अन्य व्यवस्थाओं के साथ ऐसा करने वालों के खिलाफ होने वाली कानूनी कार्यवाही को भी प्रचारित किया जाए।

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष श्री जुगल किशोर व्यास ने बताया कि समिति द्वारा 'फैंके नहीं, हमें दे' अभियान असुरक्षित, झाड़ियों एवं नाले आदि में फैंके गए शिशुओं की रक्षा और आश्रय के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 1 वर्ष में जोधपुर, पाली, जयपुर, झालावाड़, भीलवाड़ा और बांसवाडा आदि स्थानों पर नवजात असुरक्षित तरीके से फैंके गए मिले। बीकानेर में भी एक-दो स्थानों पर ऐसी गतिविधियां देखने को मिली। कई बार असुरक्षित फैंके गए बच्चों की मृत्यु तक हो जाती है। जो कि मानवता को शर्मसार करता है। ऐसे बच्चों को सुरक्षित व संरक्षित कर दत्तक की प्रक्रिया में लाना अभियान की मुख्य मंशा है। उन्होंने बताया कि बीकानेर जिले के पीबीएम और जिला अस्पताल में इसे अभियान से जुड़े पोस्टर लगाए जाएंगे। वहीं ग्राम पंचायत स्तर तक इसके प्रति जागरूकता के प्रयास होंगे।

बाल कल्याण समिति के सदस्य जन्मेजय व्यास ने कहा कि लोगों में जागरूकता की कमी है कि नवजात शिशु नहीं रखने पर कार्यवाही हो जाती है और इसी कारण वे शिशुओं को असुरक्षित फेंक जाते है और रखना नहीं चाहते है। अभियान का उद्देश्य आम जन को जागरूक करना है, जिससे शिशुओं को पालना गृह या बाल कल्याण समिति या दत्तक ग्रहण एजेन्सी को सौंपते है तो उनके खिलाफ किसी प्रकार की कोई कानूनी कार्यवाही नहीं होती है और नवजात शिशु भी सुरक्षित एवं संरक्षित रहते है।

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक श्री अरुण सिंह शेखावत ने कहा कि अभिभावक अपने अनचाहे शिशुओं को उचित व उपयुक्त स्थान पर रखें या उचित प्राधिकारी यथा बाल कल्याण समिति, दत्तक ग्रहण एजेन्सी, बाल अधिकारिता विभाग में जमा करवाएं। बाल अधिकारिता विभाग के किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य अरविंद सिंह सैंगर ने बोर्ड से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी दी।

जयपुर एवं राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के मध्य फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम किया जाए : श्रीनिवास

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने आयुष विभाग के कार्यों की प्रभावी निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने, अधिकारियों द्वारा आयुष चिकित्सालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करने व प्रत्येक निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट समयबद्ध रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष विभाग (आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी) के माध्यम से राज्यभर में विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष चिकित्सालयों की मासिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से समय पर प्रस्तुत की जाए, जिसमें विभागवार विवरण एवं प्रत्येक चिकित्सालय द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी शामिल हो। उन्होंने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) जयपुर एवं डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के मध्य फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम किया जाए, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के ज्ञान और अनुभव में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही दोनों संस्थानों के बीच कार्यशाला, संयुक्त शोध पत्र एवं एमओयू के निर्देश भी दिए गए।

60 फीट गहरी खाई में गिरी जीप, 3 की मौत

उदयपुर। जिले के कोटड़ा थाना क्षेत्र के डिंगावरी में बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बिलवन से कोटड़ा की ओर जा रही एक जीप बेकाबू होकर करीब 60 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 17 अन्य लोग घायल हुए हैं। ब्रेक फेल होना और ओवरलोडिंग बनी काल जानकारी के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। जीप एक चढ़ाई चढ़ रही थी, तभी अचानक उसके ब्रेक फेल हो गए। जीप में क्षमता से कहीं अधिक 27 सवारियां भरी हुई थीं। ड्राइवर ने गाड़ी को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन ओवरलोड होने के कारण जीप पीछे की ओर लुढ़क गई और सीधे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुँचकर बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही कोटड़ा पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुँची। यह हादसा क्षेत्र में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाली हकीकत को बयां करता है। कोटड़ा एक दुर्गम आदिवासी इलाका है, जहाँ सार्वजनिक परिवहन के साधनों की कमी के कारण करीब 120 से अधिक निजी जीपें चलती हैं। ये जीपें अक्सर क्षमता से दो-तीन गुना अधिक सवारियां भरती हैं, जो आए दिन इस तरह के हादसों का कारण बनती हैं।

हेमू कालाणी का बलिदान राष्ट्र भक्ति की अमर मिसाल : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महान क्रांतिकारी हेमू कालाणी को बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हेमू कालाणी का जीवन त्याग, साहस और राष्ट्र प्रेम की अनुपम मिसाल है। उन्होंने अल्पायु में ही मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर भारत के स्वाधीनता संग्राम में अमिट योगदान दिया। देवनानी ने कहा कि हेमू कालाणी जैसे वीर सपूत का जीवन युवाओं को राष्ट्रसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण की भावना से ओतप्रोत करता है।

शिवकुमार महास्वामी के आदर्श शासन का मार्गदर्शन करते हैं : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि सिद्धगंगा मठ के दिवंगत पीठाधिपति श्री शिवकुमार महास्वामी के आदर्शों को शासन के माध्यम से संस्थागत अभिव्यक्ति मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि पीठाधिपति की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मार्गदर्शक शक्ति है। शिवकुमार महास्वामी की सातवीं पुण्यतिथि के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिद्धगंगा मठ ने नागरिकों के आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक एकता जैसे विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महास्वामी का 21 जनवरी, 2019 को 111 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। राधाकृष्णन के अनुसार, भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा ने धर्म और सेवा, वसुधैव कुटुंबकम और प्रकृति के प्रति सम्मान के मूल्यों के माध्यम से समाज का पोषण किया है।

राधाकृष्णन ने कहा, ''हाल के वर्षों में उनके (शिवकुमार महास्वामी के) शाश्वत आदर्शों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शासन के माध्यम से संस्थागत अभिव्यक्ति मिली है।'' उन्होंने कहा कि संस्कृत और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली की विरासत, संरक्षण और संवर्धन पर पीठाधीश्वर का जोर देना और संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक संस्थानों की मान्यता एक ऐसे शासन मॉडल को दर्शाती है जो सभी नागरिकों की समान रूप से सेवा करते हुए आस्था का सम्मान करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिंदू चेतना का पुनरुत्थान इस बात की गरिमा को दर्शाता है कि हम कौन हैं, हम कहां से आए हैं और वे मूल्य क्या हैं जो हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। यह इस बात की पुष्टि करता है कि अपनी सभ्यता से जुड़ा राष्ट्र आधुनिक दुनिया से कहीं अधिक ऊंचा है और यह आत्मविश्वासी, करुणामय और समावेशी है।' उन्होंने आगे कहा, ''आज भारत में एक संगठित विकास' और विरासत' है, यानी विरासत के साथ विकास, ताकि हम आध्यात्मिक रूप से स्थिर रहते हुए भौतिक रूप से प्रगति कर सकें।''

शिवकुमार महास्वामी की सातवीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि ''चलते-फिरते भगवान'' (जैसा कि उन्हें श्रद्धापूर्वक संबोधित किया जाता था) का जीवन करुणा, त्याग और गरीबों की सेवा का जीवंत संदेश था। राधाकृष्णन ने श्रोताओं को बताया कि महास्वामी वर्ष 1941 में 500 साल पुराने मठ के प्रमुख बने और उन्होंने 'त्रिविध दासोहा' की शुरुआत की, जो एक त्रिविध सहभोज व्यवस्था थी, जिसके तहत देश में भोजन की कमी के दौरान लोगों को भोजन, शिक्षा और आश्रय प्रदान किया जाता था। उन्होंने कहा कि महास्वामी केवल रीति-रिवाजों और उपदेशों तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि कर्मठ संत थे। उन्होंने कहा कि महास्वामी ने आध्यात्मिकता को सेवा में और भक्ति को कर्तव्य में रूपांतरित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा, महास्वामी के जीवन ने 'सेवा ही साधना' और मानवता ही 'सर्वोच्च पूजा' है के शाश्वत भारतीय दर्शन को पुनः स्थापित किया। उन्होंने कहा कि सिद्धगंगा संस्था में हर जाति, हर समुदाय और हर क्षेत्र के सबसे गरीब परिवारों के लाखों बच्चों को अपना घर मिला। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मठ ने हमारे देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां बच्चों को आधुनिक विचारों और आध्यात्मिकता के साथ-साथ शिक्षा भी मिलती है। राधाकृष्णन ने कहा, ''शिवकुमार महास्वामी ने हमें सिखाया है कि सच्ची आध्यात्मिकता सभी को समाहित करती है। जन्म से कोई श्रेष्ठ नहीं होता, बल्कि जन्म से सभी समान होते हैं, लेकिन केवल गरीबों की सेवा करके वे संत बन जाते हैं।''

वामपंथी छात्र संगठनों ने सरकारी स्कूलों को बंद करने के सरकार के आदेश की कड़ी आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वामपंथी छात्र संगठनों ने बुधवार को कर्नाटक सरकार पर 'केपीएस मैग्नेट' योजना के तहत हजारों ग्रामीण सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार के इस कदम को सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था और गरीब बच्चों की स्कूलों तक पहुंच पर हमला बताया है। केपीएस मैग्नेट योजना के तहत एक से पांच किलोमीटर के दायरे में स्थित छोटे सरकारी स्कूलों का एकीकरण कर बड़े 'कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस)' के रूप में विकसित करना है।

बेंगलूरु स्थित प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता में आल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ), 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई), 'ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन'(एडसो), ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा) और केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के प्रतिनिधियों ने एक सरकारी आदेश की प्रति जारी की।

उन्होंने दावा किया कि इस आदेश में 40,000 से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद कर उन्हें लगभग 6,000 केपीएस मैग्नेट स्कूलों में विलय करने की योजना बनाई गई है। योजना के पहले चरण में 900 ऐसे स्कूल खोलने का लक्ष्य रखा गया है। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया कि पर्याप्त नामांकन वाले मौजूदा ग्रामीण स्कूलों का भी विलय किया जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर बच्चों के परिवहन का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस दौरान संगठनों ने नारे लगाए गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करने वाली केपीएस मैग्नेट परियोजना को बंद करो! सार्वजनिक शिक्षा बचाओ, हमारे ग्रामीण सरकारी स्कूलों को बचाओ!

उन्होंने आरोप लगाया कि इस परिपत्र के तहत छात्रों के परिवहन की जिम्मेदारी स्कूल विकास एवं निगरानी समितियों पर डाली जा रही है।

इसके साथ ही, उन्होंने यह भी दावा किया कि इस कदम से शिक्षा क्षेत्र में आउटसोर्सिंग और कॉर्पोरेट वित्तपोषण का रास्ता खुलता है, जिसे उन्होंने शिक्षा के निजीकरण की दिशा में उठाया गया एक गंभीर कदम बताया है। कर्नाटक सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में 2025-27 के दौरान 500 चयनित सरकारी स्कूलों को कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) में उन्नत करने का आदेश जारी किया था। इस योजना के लिए वित्तीय सहायता राज्य बजट और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के ऋण से उपलब्ध कराई जाएगी।

इस योजना के तहत 474 स्कूलों के उन्नयन को स्वीकृति दे दी गई है, जबकि शेष 26 स्कूलों के लिए मंजूरी बाद में जारी की जाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, प्रत्येक केपीएस स्कूल को कम से कम 1,200 छात्रों की जरूरतों को पूरा करने वाले बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाएगा। सरकार ने कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के सात जिलों में 200 सरकारी स्कूलों को कर्नाटक पब्लिक स्कूल (केपीएस) के रूप में उन्नत करने को मंजूरी दे दी है। इसके लिए कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) की निधि का उपयोग किया जाएगा। इनमें 2025-26 के बजट में घोषित 50 स्कूल और 2025-27 की अवधि के लिए स्वीकृत अतिरिक्त 150 स्कूल शामिल हैं।

आदेश के तहत इन स्कूलों में स्कूल विकास एवं निगरानी समितियों (एसडीएमसी) के माध्यम से छात्रों के लिए निःशुल्क परिवहन की व्यवस्था करने, समान कर्नाटक पब्लिक स्कूल मानकों को अपनाने, कक्षा एक से कंप्यूटर शिक्षा शुरू करने, कक्षा छह से व्यावसायिक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम लागू करने तथा कक्षा आठ से बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष कक्षा सुविधाओं का प्रावधान किया गया है।

उपराष्ट्रपति सीपी रामकृष्णन का राज्यपाल ने किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति सीपी रामकृष्णन बुधवार को वायु सेना के विशेष विमान से बेंगलूरु पहुंचे, जहां वे तुमकुर के सिद्धगंगा मठ के दासोही श्री शिवकुमार स्वामीजी के स्मृति कार्यक्रम और सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सिल्वर जुबली समारोह में भाग लेंगे।

बेंगलूरु के एचएएल हवाई अड्डे पर राज्यपाल थावर चंद गहलोत सहित विभिन्न अधिकारियों ने स्वागत किया। उपराष्ट्रपति इसके बाद तुमकुरु स्थित श्री सिद्धगंगा मठ में श्री शिवकुमार महास्वामीजी के सातवें स्मृति दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने के लिए एचएएल हवाई अड्डे से एक विशेष हेलीकॉप्टर से तुमकुर के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव, सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, कर्नाटक पुलिस महानिदेशक एमए सलीम, बेंगलूरु शहर पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह, बेंगलूरु शहर जिला मजिस्ट्रेट जी जगदीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

झगड़ों के लिए गुस्से में पति की हत्या

बेंगलूरु। यहां पत्नी ने गुस्से में आकर अपने पति पर चाकू से हमला कर दिया, इलाज के पूर्व ही पति की मौत हो गई। होंगसान्द्रा के मूर्तिनगर में दम्पत्ति मुरुगेश और लक्ष्मी रह रहे थे। यहां पहले माले पर स्थित अपने निवास पर रोज पति पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों में झगड़ा होता रहता था। मंगलवार रात को मुरुगेश (50) और उसकी पत्नी लक्ष्मी (45) के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। गुस्से में पत्नी ने किचन में जाकर चाकू लाकर पति पर हमला कर दिया। दो तीन बार चाकू से वार करने के चलते वह बुरी तरह घायल हो गया।

माले महादेश्वर पहाड़ियों के पास तेंदुए के हमले में एक श्रद्धालु की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चामराजनगर। हनूर तालुक में स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर माले महादेश्वर मंदिर का दर्शन करने जा रहे एक श्रद्धालु की बुधवार को तेंदुए के हमले में मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान प्रवीण के रूप में हुई है, जिसकी आयु लगभग 30 वर्ष थी और वह मांड्या जिले का रहने वाला था।

पुलिस ने बताया कि प्रवीण तीर्थयात्रा पर आए एक समूह के साथ आया था और जब वह सुबह के समय तलबेटा से माले महादेश्वर पहाड़ी की ओर जा रहा था तो एक तेंदुए ने उस पर अचानक हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटों के कारण अत्यधिक रक्तस्राव से उसकी मृत्यु हो गई। उसने बताया कि प्रवीण के साथ साथ मौजूद अन्य लोग मौके से भागने में कामयाब रहे और उन्हें कोई चोट नहीं आई। खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मृतक का शव पास के एक स्थान से बरामद किया गया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-78
दिनांक: 14.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हासन यार्ड (एचएएस) में पाइंट नं. 74, 75ए और 75बी का री-अलाईनमेंट के संबंध में ओएचई पर संशोधन कार्य।	रु. 21,18,420.50

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.02.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरडी/मैसूरु
PUB/826/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: Project-SWR-2x25-SBC-DMM दिनांक: 13.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु विभाग का 3000 मेट. लोडिंग लक्ष्य को संभालने के लिए बेंगलूरु (एसबीसी) - धर्मावरम (डीएमएम) विभाग पर इलेक्ट्रिक कर्षण व्यवस्था को 1x25 केवी से 2x25 केवी कर्षण व्यवस्था से उन्नयन करने के लिए ट्रैक्शन ओवरहेड एक्वीपमेंट (ओएचई) का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग कार्य।	रु. 1,40,35,22,145.44

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.02.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/पिरियोजनाएं/बेंगलूरु
PUB/834/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-79
दिनांक: 14.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) शिवमोगा में गति शक्ति यूनिट / मैसूरु द्वारा 12 मी. एफओबी के निर्माण के लिए ओएचई का संशोधन। (2) सागर जंबगारू में गति शक्ति यूनिट / मैसूरु द्वारा 12 मी. एफओबी के निर्माण के लिए ओएचई का संशोधन। (3) हरिहर में गति शक्ति यूनिट / मैसूरु द्वारा 12 मी. एफओबी के निर्माण के लिए ओएचई का संशोधन।	रु. 53,29,717.63

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.02.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरडी/मैसूरु
PUB/827/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल की रिन्यू, जाइलम, ऑक्टोपस के साथ निवेश अवसरों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, जल अवसंरचना और बिजली क्षेत्र के आधुनिकीकरण से जुड़े निवेश अवसरों को लेकर वैश्विक कंपनियों के साथ विचार-विमर्श किया।

राज्य सरकार की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, दावोस सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को पाटिल ने रिन्यू पावर, जाइलम इंक और ऑक्टोपस एनर्जी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

रिन्यू पावर ने कर्नाटक प्रतिनिधिमंडल को सौर, पवन एवं हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़े अपनी निवेश योजनाओं की जानकारी दी, जबकि राज्य सरकार ने बिजली ग्रिड अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और ऊर्जा भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) में मौजूद अवसरों पर प्रकाश डाला। औद्योगिक जल आपूर्ति और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्रणालियों में विशेषज्ञता रखने वाली जाइलम इंक ने कर्नाटक के किसी औद्योगिक क्षेत्र में अपशिष्ट जलशोधन संयंत्र लगाने में दिलचस्पी दिखाई।

कंपनी ने जल आपूर्ति की दक्षता, प्रौद्योगिकी तैनाती और संबंधित पहलुओं के आकलन के लिए विस्तृत अध्ययन करने का प्रस्ताव भी रखा। पाटिल ने कहा कि इस अध्ययन के आधार पर उद्योगों को किफायती दरों पर जल उपलब्ध कराने की एक प्रभावी प्रणाली विकसित की जा सकती है। ऑक्टोपस एनर्जी के साथ हुई बातचीत में स्मार्ट मीटर, डिजिटल अवसंरचना, वैज्ञानिक शुल्क निर्धारण और ग्रिड आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

विशेष रूप से व्हीकल-टू-ग्रिड' (वी2जी) प्रौद्योगिकी पर विचार किया गया, जिसके लागू होने से उपभोक्ताओं को उल्लेखनीय लागत लाभ मिल सकता है।

पाटिल ने कहा कि इस संबंध में बेंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी (बीईएसकॉम) के साथ समन्वय को लेकर आश्वासन दिया गया है। इन बैठकों में रिन्यू पावर के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुमंत सिन्हा, जाइलम इंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष अल्बर्ट चो और ऑक्टोपस एनर्जी के सह-संस्थापक स्टुअर्ट जैकसन भी उपस्थित थे।

सरफराज खान के खिलाफ लोकायुक्त की छापेमारी

बेंगलूरु। कर्नाटक लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापेमारी के बाद बुधवार को बताया कि सहकारी समितियों के निदेशक सरदार सरफराज खान के पास कुल 14.38 करोड़ रुपये की संपत्ति पाई गई है। लोकायुक्त की टीम ने 24 दिसंबर, 2025 को खान से जुड़े 13 स्थानों पर छापेमारी की थी, जिनमें उनके घर, कार्यालय और रिश्तेदारों के घर शामिल थे। यह छापेमारी आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले में की गई थी। वर्तमान में सरफराज खान आवास और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत हैं और वह विभागीय मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान के करीब माने जाते हैं। छापेमारी के दौरान लोकायुक्त टीम ने पाया कि खान के पास चार घर, करीब 8.44 करोड़ रुपये कीमत की 37 एकड़ कृषि भूमि, तीन करोड़ रुपये मूल्य के गहने, 1.64 करोड़ रुपये मूल्य के वाहन हैं और उनके सावधि जमा तथा अन्य निवेशों का मूल्य 5.94 करोड़ रुपये है।

सुधा मूर्ति ने वित्तीय योजनाओं के प्रचार वाले एआई से तैयार अपने वीडियो को लेकर आगाह किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राज्यसभा सदस्य और लेखिका सुधा मूर्ति ने बुधवार को इंटरनेट पर प्रसारित उन फर्जी वीडियो के प्रति लोगों को आगाह किया जिनमें वित्तीय योजनाओं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उनकी छवि और आवाज का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। सुधा मूर्ति ने कहा कि ये 'डीपफेक' वीडियो हैं जो उनकी जानकारी या सहमति के बिना बनाए गए हैं। मूर्ति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश के साथ लिखा, मैं आपको ऑनलाइन प्रसारित हो रहे उन फर्जी वीडियो के बारे में सचेत करना चाहती हूं जिनमें वित्तीय योजनाओं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मेरी तस्वीर और आवाज का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। ये मेरी जानकारी या सहमति के बिना बनाए गए डीपफेक हैं। उन्होंने कहा, कृपया इन धोखाधड़ी वाले वीडियो के आधार पर कोई भी वित्तीय निर्णय न लें। मैं आपसे आधिकारिक माध्यमों से जानकारी सत्यापित करने और ऐसी किसी भी सामग्री की रिपोर्ट करने का आग्रह करती हूं। सतर्क रहें और सुरक्षित रहें...। मूर्ति ने कहा कि मुझे यह बताते हुए वास्तव में चिंता और दुख हो रहा है कि फेसबुक पर मेरे दो-तीन वीडियो एक साथ प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें मैं 200 अमेरिकी डॉलर या 20,000 रुपये निवेश करने की बात कह रही हूं और दावा किया जा रहा है कि आपको इससे कई गुना अधिक रिटर्न मिलेगा।

राज्यपाल ने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन जाएगा। विधि मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा, राज्यपाल के कल संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार करने के बाद, विधि मंत्री की अगुवाई में बुधवार को शाम एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल लोक भवन गया और राज्यपाल को कार्यक्रम में आने का निवेदन किया।

वहीं कानून मंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राज्यपाल सुबह सदन को संबोधित करेंगे। राज्यपाल के इनकार के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं।

कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 जनवरी को शुरू होगा। केंद्र द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने समेत कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जद(एस) गठबंधन के बीच टकराव की संभावना के चलते सत्र के हंगामेदार रहने का अनुमान है। बाईस से 31 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को राज्यपाल गहलोत के परंपरागत अभिभाषण से होनी थी।

सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने की योजना बना रही है, जिसमें मनरेगा को रद्द करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बहाल करने की मांग की जाएगी। साथ ही नए विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की जाएगी।

अब गेंद आरसीबी के पाले में है, चिन्नास्वामी स्टेडियम में वापसी करना उनकी जिम्मेदारी है : प्रसाद

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने बुधवार को कहा कि आईपीएल 2026 के अपने घरेलू मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में करने की अब पूरी जिम्मेदारी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) पर है। पिछले महीने से विभिन्न राज्य एजेंसियों के साथ कई दौर की बातचीत करने के बाद कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन के लिए सशर्त अनुमति दे दी है। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान चार जून को हुई भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद से इस ऐतिहासिक मैदान पर क्रिकेट नहीं खेला गया है। प्रसाद ने यहां चुनिंदा मीडियाकर्मियों से कहा, हमें सरकार से मैच आयोजित करने के लिए सशर्त अनुमति मिल गई है। हमें विश्वास है कि जल्द ही हमें बिना शर्त अनुमति मिल जाएगी। इस सब के बाद मुझे पूरी उम्मीद है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु अपने सभी सात घरेलू मैच एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगा। प्रसाद की अपील ऐसे समय में महत्वपूर्ण हो जाती है जब आरसीबी अपने घरेलू मैच मुंबई या पुणे और रायपुर में करवाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''गेंद अब आरसीबी के पाले में है। मुझे पूरा विश्वास है कि आरसीबी अब इस मामले में शामिल होगा और मैचों के सुचारू संचालन के लिए सरकार से बातचीत करेगा।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर)
अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001

विज्ञापन सं. 01/2026

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), सीएसआईआर-केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी के निदेशक के पद हेतु सीएसआईआर में लागू भत्तों सहित पे-मैट्रिक्स के लेवल 15 (रु. 1,82,200-2,24,100) में आवेदन/नामांकन आमंत्रित करता है।

पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तों के लिए, कृपया सीएसआईआर की वेबसाइट www.csir.res.in पर विस्तृत/पूर्ण विज्ञापन संख्या 01/2026 देखें। आवेदन/नामांकन पूर्ण बायोडाटा और प्रकाशनों/पेटेंटों आदि की सूची सहित ई-मेल के माध्यम से ई-मेल आईडी drc.hqrs@csir.res.in पर अथवा डायरेक्टर रिक्रूटमेंट सेल, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), अनुसंधान भवन, 2, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 को डाक द्वारा दिनांक 28/02/2026 को अथवा उससे पहले भेजें।

CBC 36202/11/0032/2526

सुविचार

ज़िन्दगी आसान नहीं आसान बनानी पड़ती है, सबर करना पड़ता है कुछ बर्दाश करना पड़ता है और बहुत कुछ नज़रअंदाज़ करना पड़ता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कश्मीरी पंडितों की किसे परवाह?

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने विस्थापित कश्मीरी पंडितों का घाटी में 'हमेशा स्वागत' संबंधी जो बयान दिया है, उससे कई सवाल पैदा होते हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि किन वजहों से कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़ने पड़े थे? अगर आज वे अपने घरों में रहने के लिए आ जाएं तो क्या कोई सुरक्षा की गारंटी देगा? अक्सर नेतागण चर्चा का केंद्र बनने के लिए बड़े-बड़े बयान तो दे देते हैं, लेकिन वे हकीकत से कोसों दूर रहते हैं। कश्मीरी पंडित अपनी धरती पर सदियों से आबाद थे। उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, साहित्य, संगीत, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में महान योगदान दिया था। यह मानवता का दुर्भाग्य रहा कि उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनना पड़ा। राजनीतिक पार्टियों ने इस मुद्दे को खूब भुनाया, अपना वोटबैंक बनाया। इन सबसे कश्मीरी पंडितों को क्या मिला? लंबे-लंबे भाषण और कोरे आश्वासन! जो आज तक मिल रहे हैं। कश्मीरी पंडितों के साथ बहुत बड़ा जुल्म हुआ था। जो पश्चिमी मीडिया हर बात पर भारत को उपदेश देने के लिए अपने पन्ने रंग देता है, वह उस समय क्या लिख रहा था? उसने गहरी चुप्पी साध रखी थी। इतिहास उन लेखकों और नेताओं से भी सवाल पूछेगा, जो उस समय खामोश रहे थे। कश्मीरी पंडित एक स्वाभिमानी कौम है। इसने इतनी बड़ी ज्यादती बर्दाश्त करने के बावजूद खुद को अपने पैरों पर खड़ा किया। कश्मीरी पंडित शिक्षा और मेहनत की बदौलत भारत समेत कई देशों में प्रतिष्ठित पदों पर काम कर रहे हैं। इनसे मकान, दुकान, खेत, खलिहान और परिवार के सदस्यों की जान तक छीनी गई, लेकिन कोई कश्मीरी पंडित कश्मीर के लिए और भारत के लिए कभी आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करता दिखाई नहीं देगा।

जब कभी कश्मीरी पंडितों का मुद्दा उठाया जाता है तो एक बात सभी पार्टियों को याद रखनी चाहिए- अब उन्हें आपकी हमदर्दी की कोई जरूरत नहीं है। पार्टियां उस घटनाक्रम के लिए आरोप-प्रत्यारोप की बौछार करती रहती हैं।

जब कभी कश्मीरी पंडितों का मुद्दा उठाया जाता है तो एक बात सभी पार्टियों को याद रखनी चाहिए- अब उन्हें आपकी हमदर्दी की कोई जरूरत नहीं है। पार्टियां उस घटनाक्रम के लिए आरोप-प्रत्यारोप की बौछार करती रहती हैं। वे दिखाना चाहती हैं कि कश्मीरी पंडितों का हमसे बड़ा कोई शुभचिंतक नहीं है। उस समय नेता कहां थे, अधिकारी कहां थे - ये सवाल अपनी जगह हैं। इनसे बड़ा सवाल है- कश्मीरी पंडितों के पड़ोसी कहां थे? उनके जीवन की रक्षा करने की सबसे पहली जिम्मेदारी पड़ोसियों पर थी। क्या वे उन्हें बचाने के लिए आगे आए थे? अगर उनके पड़ोसी ही एकजुट होकर खड़े हो जाते तो कट्टरपंथियों की क्या हैसियत रह जाती? आज फारूक अब्दुल्ला के ये शब्द हास्यास्पद लगते हैं, 'वे कब लौटेंगे? उन्हें कौन रोक रहा है? कोई उन्हें नहीं रोक रहा है। उन्हें वापस आना चाहिए, क्योंकि यही उनका घर है।' परिस्थितियां इतनी ही आसान होतीं तो सारे कश्मीरी पंडित अब तक अपने पूर्वजों की भूमि पर लौट आते। अगर फारूक अब्दुल्ला सच में चाहते हैं कि कश्मीरी पंडित अपने घर लौटें तो पहले उनके लिए अनुकूल माहौल बनाएं। उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह काम सिर्फ सुरक्षा बलों के बूते नहीं हो सकता। बंदूकों का पहरा लगाकर दी गई सुरक्षा असल सुरक्षा नहीं होती। यह उसी स्थिति में संभव है, जब आम कश्मीरी इसके लिए तैयार हो। जो सुरक्षा की भावना समाज के अंदर से आती है, वह कहीं और से नहीं आ सकती। कौन अपने घर नहीं लौटना चाहता? पंछी तक को अपने घर से गहरा लगाव होता है। क्या इन्सान को लगाव नहीं होता? कश्मीर में सिर्फ पर्यटकों का नहीं, कश्मीरी पंडितों का भी स्वागत करें। उन्हें वहां दोबारा बसाएं।

ट्वीटर टॉक

आज राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने, राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने की दिशा में सहायक 'राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स पॉलिसी-2025' का अनुमोदन किया गया।

-भजनलाल शर्मा

तुम्हारा हर नया साल तुम्हें सोच, संस्कार और जिम्मेदारी में भी बड़ा बनाए। हमारे परिवार की पहचान हमेशा समाज और देश के प्रति समर्पण से जुड़ी रही है। मुझे विश्वास है कि तुम इन मूल्यों को अपने आचरण से आगे बढ़ाओगे। ईश्वर तुम्हें आज की तरह सदैव स्वस्थ बनाए रखें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मंत्रिमंडल की बैठक में 'अशांत क्षेत्रों में स्थायी निवासियों की सम्पत्तियों एवं किरायेदारों के अधिकारों से संबंधी विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दी गई है। भाजपा सरकार का ये निर्णय सियासी एजेंडे के तहत भाजपा और सरकारी गुंडागर्दी को कानूनी जामा पहनाने का कुप्रयास है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

ज्ञान को जीना

एक गुरुकुल में एक प्रतिभाशाली शिष्य था। वह बहुत पढ़ता था, बहुत जानता था, लेकिन उसके मन में स्थिरता नहीं थी। मन हमेशा असंतुष्ट रहता। एक दिन उसने गुरु से कहा 'गुरुदेव, ज्ञान तो बहुत है, फिर भी भीतर खालीपन क्यों है?' गुरु उसे आश्रम के पीछे ले गए। वहां पानी से भरा एक घड़ा रखा था, लेकिन नीचे से वह धीरे-धीरे रिस रहा था। गुरु ने पूछा 'क्या यह घड़ा भरा है?' शिष्य बोला 'अभी तो हां, पर थोड़ी देर में खाली हो जाएगा।' गुरु बोले 'यही तुम्हारी स्थिति है।' उन्होंने कहा 'तुम ज्ञान इकट्ठा करते हो, लेकिन अनुशासन नहीं रखते। विचार रखते हो, पर आचरण में नहीं उतारते। जिस जीवन में संकल्प का आधार नहीं, वह ज्ञान से भरा होकर भी अंदर से खाली रहता है।'

गुरु ने घड़े का छेद बंद किया। कुछ देर बाद घड़े का पानी स्थिर हो गया। गुरु बोले'ज्ञान तभी शक्ति बनता है जब वह चरित्र में ठहरता है। अन्यथा वह सिर्फ़ बोझ बन जाता है।' उस क्षण शिष्य को समझ आयासमस्या ज्ञान की कमी की नहीं थी, समस्या स्थिरता की कमी थी।

सामयिक

डेनमार्क के पीछे क्यों पड़े हैं ट्रम्प?

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल: 9989703240

डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख केवल एक भूभाग को हासिल करने की सनक भर नहीं है, बल्कि यह 21वीं सदी की बदलती वैश्विक राजनीति, संसाधनों की होड़ और महाशक्तियों के बीच उभरते नए शीतयुद्ध का संकेत है। ग्रीनलैंड, जो भौगोलिक रूप से भले ही बर्फ से ढका, विरल आबादी वाला द्वीप हो, आज अमेरिका, चीन और रूस के रणनीतिक नक्शे में एक अहम मोहरा बन चुका है। ट्रंप इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य बताकर न केवल डेनमार्क की संप्रभुता को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि यूरोपीय संघ को भी खुली चेतावनी दे रहे हैं कि अगर उसने अमेरिकी हितों के आड़े आने की कोशिश की, तो उसे भारी आर्थिक कीमत चुकानी होगी। ग्रीनलैंड का महत्व उसके आकार या जनसंख्या में नहीं, बल्कि उसकी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों में निहित है। आर्कटिक क्षेत्र में स्थित यह द्वीप उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच एक रणनीतिक सेतु की तरह है। शीत युद्ध के दौरान भी अमेरिका ने यहां सैन्य ठिकाने बनाए थे और आज भी वहां अमेरिकी रडार प्रणाली मौजूद है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब आर्कटिक की बर्फ तेजी से पिघल रही है, तब नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनते जा रहे हैं। रूस पहले ही इन मार्गों पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि चीन स्वयं को नियर-आर्कटिक स्टेट घोषित कर इस क्षेत्र में निवेश और वैज्ञानिक गतिविधियों का विस्तार कर रहा है। ऐसे में अमेरिका को यह आशंका स्वाभाविक लगती है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर प्रभाव नहीं बढ़ाया, तो वह आर्कटिक की दौड़ में पिछड़ सकता है।

ट्रंप का तर्क है कि डेनमार्क ग्रीनलैंड की पर्याप्त सुरक्षा नहीं कर पा रहा और अमेरिका ही इसे प्रभावी ढंग से संरक्षित कर सकता है। लेकिन यह तर्क जितना सुरक्षा से जुड़ा दिखता है, उतना ही सत्ता और प्रभुत्व की भाषा से भरा हुआ है। किसी संप्रभु देश या स्वायत्त क्षेत्र को खरीदने की बात करना औपनिवेशिक मानसिकता की याद दिलाता है, जिसे आधुनिक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था बहुत पहले खारिज कर चुकी है। ग्रीनलैंड के लोग स्वयं को कोई संपत्ति नहीं मानते, जिसे किसी सौदे के तहत एक हाथ से दूसरे हाथ में सौंप दिया जाए। डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों ने ट्रंप के प्रस्ताव को सिरे से नकार कर यह स्पष्ट कर दिया है कि संप्रभुता कोई बिक्री योग्य वस्तु नहीं है। असल चिंता केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। ग्रीनलैंड दुर्लभ मिट्टी खनिजों का एक संभावित भंडार है, जिनका उपयोग आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक्स में होता है। आज इन खनिजों पर चीन का प्रभुत्व है और अमेरिका इस निर्भरता को कम करना चाहता है। इसके अलावा, तेल और गैस के संभावित भंडार भी ग्रीनलैंड को ऊर्जा राजनीति के केंद्र में ला खड़ा करते हैं। ट्रंप जिस गोल्डन डोम मिसाइल शील्ड की बात करते हैं, उसके लिए ग्रीनलैंड में मौजूद रडार और भौगोलिक स्थिति बेहद उपयोगी मानी जाती है। इस तरह ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए केवल एक द्वीप नहीं, बल्कि सैन्य, आर्थिक और तकनीकी रणनीति का अहम हिस्सा बन जाता है।

यूरोपीय संघ ने इस पूरे घटनाक्रम में डेनमार्क के पक्ष में खड़े होकर अंतरराष्ट्रीय कानून और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन किया है। यूरोपीय संसद और सदस्य देशों का यह रुख इस बात का संकेत है कि यूरोप अब अमेरिकी दबाव के आगे बिना सवाल किए झुकने को तैयार नहीं है। लेकिन ट्रंप की राजनीति संवाद और कूटनीति से अधिक दबाव और धमकी पर आधारित रही है। उन्होंने टैरिफ को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करते हुए पहले 10 प्रतिशत और फिर 25 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी दी है, यदि ग्रीनलैंड पर उनकी शर्तों के अनुसार कोई समझौता नहीं होता। इस पूरे विवाद में फ्रांस को विशेष रूप से निशाना बनाना ट्रंप की राजनीतिक शैली को उजागर करता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा डेनमार्क के सैन्य समर्थन की बात कहने पर ट्रंप ने न केवल उनका मजाक उड़ाया, बल्कि फ्रांसीसी वाइन और निर्यात पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दे डाली। यह केवल आर्थिक दबाव नहीं, बल्कि एक तरह का सार्वजनिक अपमान भी है, जिसका उद्देश्य यूरोप के भीतर फूट डालना और यह संदेश देना है कि अमेरिका के खिलाफ खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। डेनमार्क, फ्रांस, स्वीडन समेत आठ यूरोपीय देशों पर इस तरह का दबाव डालना यह दर्शाता है कि ट्रंप की नजर में सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी के बीच की रेखा बेहद धुंधली हो चुकी है।

यह विवाद वैश्विक राजनीति के एक बड़े बदलाव की ओर इशारा करता है। शीत युद्ध के बाद जिस उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बात की जाती रही, उसमें नियमों, संस्थाओं और बहुपक्षीय सहमति को महत्व दिया गया। लेकिन ट्रंप की नीति शक्ति, सौदेबाजी और दबाव पर आधारित है। उनके लिए अंतरराष्ट्रीय कानून तब तक मायने रखता है, जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल हो। ग्रीनलैंड प्रकरण इसी सोच का उदाहरण है, जहां एक रणनीतिक हित को पूरा करने के लिए संप्रभुता, आत्मनिर्णय और साझेदारी जैसे सिद्धांतों को हाशिए पर डाल दिया गया है।

अंततः ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का रुख यह सवाल खड़ा करता है कि क्या आज की दुनिया फिर से उस दौर की ओर लौट रही है, जहां ताकत ही कानून हुआ करती थी। यूरोप का विरोध और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया यह तय करेगी कि इस तरह की राजनीति को कितना स्वीकार किया जाएगा। अगर ग्रीनलैंड को एक सौदे की तरह देखने की प्रवृत्ति को चुनौती नहीं दी गई, तो कल कोई और क्षेत्र, कोई और देश इसी तरह की महाशक्ति राजनीति का शिकार बन सकता है। यह केवल ग्रीनलैंड का मामला नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था की परीक्षा है, जिसे नियमों और सहमति के आधार पर टिके रहने का दावा किया जाता है।

मंथन

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस के बहाने एक दृष्टि शिक्षा पर

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल : 7379100261

मानव की खुशहाली, समृद्धि और संस्कार का रास्ता शिक्षा के बीच से निकलता है। इसलिए शिक्षा धीरे-धीरे मानव अधिकार के तौर पर स्वीकार की जा चुकी है। सबके लिए शिक्षा को समावेशी, गुणवत्तायुक्त, न्यायसंगत और सार्वभौमिक बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में 3 दिसम्बर 2018 को एक प्रस्ताव पारित हुआ, जिसके अनुसार 24 जनवरी का दिन 'अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था। इसका ध्येय था कि शिक्षा साधन सम्पन्न समुदाय तक ही सीमित न रह जाय, बल्कि निर्धन वर्ग के बच्चे भी शिक्षा का समान अवसर और ज्ञान प्राप्त कर सकें। सन 2019 में पहली बार यूनेस्को के तत्वावधान में यह वैश्विक उत्सव सम्पन्न हुआ था। इसके बाद प्रत्येक वर्ष यह एक नई थीम के साथ निरंतर सम्पन्न होता चला आ रहा है।

मूलतः वैश्विक स्तर पर यह शांति और विकास में शिक्षा की भूमिका की सतत निगरानी, पर्यवेक्षण और अनुश्रवण का उपक्रम है। इस अवसर पर शिक्षा को लेकर विभिन्न स्थानों में जो विमर्श होता है। गोष्ठियों के माध्यम से जैसे मत-मतांतर सामने आते हैं, उससे लोगों की शिक्षा तक पहुँच और शैक्षणिक स्तर का पता चलता है। इससे यह भी सुनिश्चित हो जाता है कि शिक्षा को किस हद तक वैज्ञानिक और आधुनिक स्वरूप मिल पाया है। सन 2026 के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस' की थीम है- शिक्षा के सह निर्माण में 'युवाओं की शक्ति'। यह थीम शिक्षा में सुधार के लिए युवा नेतृत्व को आगे लाने पर केंद्रित है। युवा सदैव आशा के केंद्र बिन्दु होते हैं। युवावर्ग शिक्षा के प्रति सजग, सतर्क, आस्थावान और संकल्पशील होंगे तो निश्चय ही शिक्षा में सतत सुधार होगा। युवा नेतृत्व ही वह शक्ति है, जो शिक्षा के नियामक संस्थानों को न्यूनतम शैक्षणिक मानक की बहाली में कारगर भूमिका निभा सकती है। आने वाले दिनों में प्रोद्योगिकी और एआई का शिक्षा के क्षेत्र में सघन उपयोग होना निश्चित है, इस विषय में युवाओं का वर्चस्व है। इसलिए युवाओं की नेतृत्व वाली भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

जहां तक अपने देश की स्थिति है, यहाँ एआई और डिजिटल प्रगति का खूब शोर है। तकनीक और इंटरनेट में हम बेमिसाल बताए जाते हैं। मगर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा की जागरूकता का जो वांछित संस्कार है, वह सामान्य लोगों तक नहीं पहुँच पाया है। आज भी स्कूल की परिधि से बाहर वाले बच्चों में सर्वाधिक बच्चे अपने देश के हैं। ड्रॉप आउट यानी अधबीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों के वैश्विक आँकड़े में भी हम सर्वोच्च स्थान पर हैं। देश की शिक्षा में असमानताएं भी बहुत हैं। सीबीएसई बोर्ड के अलावा करीब चालीस प्रादेशिक शिक्षा बोर्डों में शिक्षा बँटी है। पाठ्यक्रम में स्थानीयता की उचित प्राथमिकता के अलावा नीति, मूल्य और मत की ढेरों अनावश्यक विभिन्नताएं उपस्थित मिलती हैं। चमक-दमक भरे निजी क्षेत्र के विद्यालय, सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय के साथ कस्बों-गांवों में संचालित बेसिक शिक्षा के न्यूनतम साधनों वाले स्कूल भी हैं। इन स्कूलों के कुछ नवाचारी युवा अध्यापकों वाले विद्यालय को छोड़कर बात की जाय तो शिक्षा का हाल बेहाल है।

सन 2000 से देश में प्राथमिक शिक्षा को रोचक और सुरुचिपूर्ण बनाकर गुणवत्ता की दिशा में ले जाने के तमाम उपक्रम हो चुके हैं। कई परियोजनाएं शुरू हुईं, उससे सम्बन्धित अभिमुखीकरण प्रशिक्षण हुए। स्कूल में पढ़ाई-लिखाई को खेलकूद, गीत और कहानी से जोड़कर उल्लासपूर्ण बनाने की कार्यशालाएं चलाई गईं। किन्तु नब्बे प्रतिशत अध्यापक शिक्षण की परम्परागत मानसिकता त्यागने को आज भी नहीं तैयार हैं। उनका मानना है कि पढ़ाई-लिखाई का रास्ता मास्टर की छड़ी' से होकर निकलता है। शिक्षक आज भी यह मनाने को तैयार नहीं हैं कि शिक्षा बाल केंद्रित' होनी चाहिए। पढ़ाने से पहले बच्चे को पढ़ा जाना जरूरी है, उसकी क्षमता और रुचि को पहचानने के बाद पीयर ग्रुप' बनाकर पढ़ाना उचित होगा। पचासी प्रतिशत अध्यापक इस प्रकार की बातों को हँसी में उड़ा देते हैं और पुराने ढर्रे की जबरदस्ती वाली पद्धति की पुरजोर वकालत करते हैं।

मीडिया में आए दिन स्कूलों में बच्चों को दण्ड देने के प्रकरण आते रहते हैं। किसी छात्र का होमवर्क नहीं पूरा होता है, तो उसकी यह गलती शिक्षक को बेहद नागवार गुजरती है। इसके लिए वह छात्र को दंड देता है। दण्ड को हम अक्सर मारपीट या शारीरिक पीड़ा पहुँचने तक सीमित करके देखते हैं। किन्तु इसके संदर्भ व्यापक हैं। बच्चे को पीछे डेस्क पर खड़ा करना, कक्षा से बाहर कर देना, उठक-बैठक लगवाना जैसी कई सजायें चलन में हैं। अभी नवम्बर-25 में महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक खबर आयी थी, जहां एक विद्यालय में देर से आने पर छठी कक्षा की एक छात्रा को सौ उठक-बैठक लगाने की सजा मिली और उठक-बैठक के बीच बच्ची की मृत्यु हो गई थी। प्रायः दण्ड को सुधार' या अनुशासन' का उपाय बताया जाता है, किन्तु यह बच्चे के लिए अपमान और मानसिक आघात के सिवा और कुछ नहीं होता। सजा से बच्चा हीनभावना से ग्रस्त हो जाता है और उसमें हिंसक वृत्ति पनप सकती है। प्रशिक्षणों में यह बताया जाता रहा है कि सीखने-समझने में सहायक जितने भी भौतिक या मानसिक कारक हैं, वह भय या प्रताड़ना से शक्तीकृत नहीं होते। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि मार-कुटाई बच्चों के अन्दर तनाव पैदा करती है, जिससे उनके मस्तिष्क की संरचना प्रभावित होती है। उनका आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। वह अपनी बात शेयर करने में डरने लगते हैं। मगर यह प्रशिक्षण कुछ ही सीमा तक क्रियात्मक स्वरूप ग्रहण कर पाते हैं।

शिक्षा को लेकर अधिकतर चर्चाएं पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और संसाधनों पर होती हैं। संसाधन में सबसे बड़ा स्तम्भ शिक्षक है। वही सारे सुधारों को धरातल पर ला सकता है। किन्तु नवाचरों को लागू करने में अध्यापक डरते हैं। वह सोचते हैं, ऐसा ही होता रहा है। यही सही होगा। नया जो बताया गया है, इसे लागू करने पर अगर कुछ गलत हुआ तो मेरे ऊपर प्रशासकीय गाज गिर सकती है। शिक्षा के तंत्र में कम ही ऐसे अधिकारी हैं, जो शिक्षकों को नए ढंग से काम करने के लिए उत्साहित या निर्देशित करते हैं। पूरे तंत्र में एक जड़ता भरा महौल प्रभावी है। यहाँ तक कि प्रशासन से सम्बन्धित बेसिक शिक्षा अधिकारी और प्रशिक्षण व नवाचार के केंद्र डायट' के प्राचार्य के बीच भी उचित और सार्थक तालमेल का अभाव दिखाता है। इसके अलावा स्कूलों में अध्यापकों की संख्या भी पूरी नहीं है। साथ ही शिक्षक पर विभिन्न गणनाओं, मतदाता सूची संशोधन, चुनाव, विभागीय सूचनाओं, एम डी एम जैसे गैर शैक्षणिक कार्यों का भी बोझ रहता है। इस प्रकार का डर, जकड़न और जड़ता भरा परिवेश कल्पनाशीलता युक्त कौशल और सृजनात्मकता से परिपूर्ण नवाचारों के लिए उपयुक्त नहीं होता है।

अच्छा शिक्षक वह होता है, जो शिक्षण को एक जीवंत और निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया मानता है। हमें अपना पाठ्यक्रम हर हाल में समय पर पूरा कर देना है-यह सोच रटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाली है। यह शिक्षार्थी की रचनात्मक कल्पना और आलोनात्मक सोच नहीं बढ़ाती है, बल्कि उसके दिमाग के लिए कुंद करने का साधन बन जाती है। यह काम स्वतंत्र और सहज भाव से शिक्षण करने वाले युवा शिक्षक ही कर सकते हैं। बल्कि कर भी रहे हैं, कई कल्पनाशील नवाचारी शिक्षक हैं, जो पढ़ाई-लिखाई को निरन्तर सुरुचिपूर्ण बनाकर बच्चों के सीखने को सरल बना रहे हैं। उनके प्रयास शिक्षा को काल सापेक्ष और आधुनिक संदर्भों में प्रतिष्ठित करने में अग्रसर हैं। शिक्षा को साहित्य और सृजन से जोड़कर अध्यायनशीलता के छूटे हुए सरोकार को पुनर्स्थापित करने में संलग्न हैं। विभिन्न प्रदेशों के नवाचारी शिक्षकों ने विद्यार्थियों में सृजनात्मकता के विकास के लिए दीवार पत्रिका' जैसे कई नवाचारी कन्सेप्ट को अपना रखा है। इसमें बच्चे बिना किसी सामाजिक, आर्थिक व लैंगिक भेदभाव के भयमुक्त वातावरण में अपनी बाल सुलभ रचनात्मकता का लोकव्यापीकरण करते हैं। इन दीवार पत्रिका के अंकों को देखकर समझ जा सकता है कि बच्चों की सोच, उनकी कल्पना और अभिव्यक्ति कितनी वजनदार हो सकती है! यानी सन 2026 के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस की थीम जो युवा क्षमता पर भरोसा दर्शा रही है, वह शिक्षा की दिशा में एक उचित कदम है और भारतीय शैक्षिक संदर्भों में दूरगामी परिणाम देने वाली हो सकती है।

नजरिया

इतिहास का सबसे लंबा अनुत्तरित प्रश्न नेताजी की मौत

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है। दरअसल उनकी मृत्यु के संबंध में कई दशकों से यही दावा किया जाता रहा है कि 18 अगस्त 1945 को सिंगापुर से टोक्यो (जापान) जाते समय ताइवान के पास फार्मोसा में उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और उस हवाई दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। नेताजी ने 16 अगस्त 1945 को टोक्यो से ताइपेई के लिए उड़ान भरी थी और जापानी द्वितीय विश्व युद्ध का उनका विमान 18 अगस्त की सुबह ताइपेई के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उसके बाद जापान सरकार द्वारा घोषणा की गई थी कि उस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस भी शामिल थे। 18 अगस्त 1945 को ताइवान के ताइपेई में विमान दुर्घटना में उनकी मौत की जापान सरकार द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा को भारत सरकार ने भी स्वीकार कर लिया था लेकिन आज भी कई लोग इसे मानने को तैयार नहीं हैं। दरअसल उनके जीवित होने और गुमनामी में जीवन जीने के दावे किए जाते रहे हैं और इस विषय पर कई बार जांच भी हुई है। हालांकि नेताजी के जीवित होने का दावा करने वाले लोगों ने कई बार अपने दावों का समर्थन करने के लिए सबूत पेश किए लेकिन उन सबूतों को प्रायः संदिग्ध माना गया है और कहा जाता रहा है कि उनके जीवित होने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं हैं।

दरअसल नेताजी का शव कभी नहीं मिला और कुछ अन्य कारणों से भी उनकी मौत के दावों पर आज तक विवाद बरकरार है। उनकी मृत्यु का रहस्य जानने के लिए विभिन्न सरकारों द्वारा पूर्व में कुछ आयोगों का गठन भी किया जा चुका है और कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा नेताजी के लापता होने के रहस्य से जुड़े खुफिया दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की मांग पर सुनवाई के लिए स्पेशल बेंच भी गठित की गई किन्तु अभी तक रहस्य से पर्दा नहीं उठा है। फैजाबाद के गुमनामी बाबा से लेकर छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले तक में नेताजी के होने संबंधी कई दावे भी पिछले दशकों में पेश हुए किन्तु सभी की प्रामाणिकता संदिग्ध रही और नेताजी की मौत का रहस्य यथावत बरकरार है। हालांकि जापान सरकार बहुत पहले ही इस बात की पुष्टि कर चुकी है कि 18 अगस्त 1945 को ताइवान में कोई विमान हादसा हुआ ही नहीं और भारत सरकार द्वारा कुछ समय पूर्व सार्वजनिक की गई नेताजी से संबंधित कुछ गोपनीय फाइलों में मिले एक नोट से तो यह सनसनीखेज खुलासा भी हुआ कि 18 अगस्त 1945 को हुई कथित विमान दुर्घटना के बाद भी नेताजी ने तीन बार 26 दिसम्बर 1945, 1 जनवरी 1946 तथा फरवरी 1946 में रेडियो द्वारा राष्ट्र को सम्बोधित किया था। इस खुलासे के बाद से ही नेताजी की मौत का रहस्य और गहरा गया था।

नेताजी के जीवित रहने को लेकर किए गए विभिन्न दावों में कहा गया कि वे विमान दुर्घटना में नहीं मारे गए थे बल्कि जीवित बच गए थे और उन्होंने अपने जीवन का बाकी हिस्सा गुप्त रूप से बिताया। ऐसे ही दावों में से एक दावा यह भी था कि विमान दुर्घटना में नेताजी को गंभीर रूप से चोटें लगी थी लेकिन वे जीवित बच गए थे और उन्हें एक जापानी अस्पताल में ले जाया गया था, जहां उनका इलाज किया गया और बाद में उन्हें सोवियत संघ ले जाया गया, जहां उन्हें एक गुप्त शिविर में रखा गया। एक अन्य दावा यह भी था कि नेताजी ने विमान दुर्घटना में बचने के लिए अपना रूप बदल लिया था। उन्होंने अपना नाम और पहचान बदल ली थी और एक गुप्त जीवन जीने लगे थे। कुछ लोगों ने यह दावा भी किया कि उन्होंने नेताजी को गुप्त रूप से रहने के दौरान देखा है। हालांकि इन तमाम दावों में से किसी का भी कोई पुख्ता सबूत कभी नहीं मिला लेकिन इन दावों को लेकर सच्चाई जानने को लेकर लोगों में सदैव उत्सुकता रही है। उनकी मौत के रहस्य को सुलझाने के लिए कई बार जांच आयोग भी बैठाए गए, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण जांच आयोग न्यायमूर्ति ताराचंद की अध्यक्षता में 1956 में बैठाया गया था। ताराचंद आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा था कि नेताजी की मृत्यु विमान दुर्घटना में हुई थी।

आयोग ने कहा था कि नेताजी के जीवित रहने के दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत नहीं है लेकिन आयोग के निष्कर्षों को कई लोगों ने चुनौती दी थी, जिनका कहना था कि आयोग ने नेताजी के जीवित रहने के दावों की पर्याप्त जांच नहीं की थी। आज भी दावे के साथ यह कहना मुश्किल है कि नेताजी की मृत्यु कैसे हुई थी। हो सकता है कि वे विमान दुर्घटना में मारे गए हों या यह भी हो सकता है कि वे जीवित बच गए हों और उन्होंने अपना जीवन गुप्त रूप से बिताया हो। कुल मिलाकर, उनकी मौत का रहस्य आज भी अनसुलझा है और इस रहस्य को सुलझाने के लिए और अधिक जांच की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

राष्ट्रपति पुतिन आज ट्रंप के विशेष दूत विटकॉफ से मुलाकात करेंगे : क्रेमलिन

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बृहस्पतिवार को अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात करेंगे। क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

दावोस में मंगलवार को यूक्रेन मामलों पर रूस के विशेष दूत किरिल दिमित्रीयेव और विटकॉफ तथा राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के बीच दो घंटे तक हुई ''बेहद ठोस'' वार्ता की खबरों के बीच, अमेरिकी दूत राष्ट्रपति पुतिन से मिलने के लिए मॉस्को रवाना हो रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' को बताया, ''जी हां, हमें कल ऐसी बैठक की उम्मीद है। यह राष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल है।''

इससे पहले, विटकॉफ ने चैनल 'सीएनबीसी' को बताया था कि वह बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात कर सकते हैं।

रूसी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, विटकॉफ मॉस्को रवाना होने से पहले बुधवार रात को स्विटजरलैंड में यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करेंगे।

गणतंत्र दिवस और फिल्म इंडस्ट्री का खास रिश्ता, निर्माताओं के लिए 26 जनवरी मतलब 'गोल्डन डेट'

मुंबई/एजेन्सी

गणतंत्र दिवस आते ही देशभर में देशभक्ति का माहौल बन जाता है। हर तरफ तिरंगा, परेड, गीत और गर्व की भावना देखने को मिलती है। इसी जज्बे को बॉलीवुड भी सालों से बड़े पर्दे पर उतारता आ रहा है। इस बार भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिल रहा है। 1997 की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल 'बॉर्डर 2' की एडवांस बुकिंग इन दिनों जोरों पर है। 23 जनवरी को रिलीज होने जा रही यह फिल्म गणतंत्र दिवस पर सिनेमाघरों में देशभक्ति का सैलाब लाने को तैयार है।

दरअसल, 26 जनवरी सिर्फ देश के लिए ही नहीं, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लिए भी एक 'गोल्डन डेट' बन चुकी है। बीते कई सालों से देखा गया है कि इस मौके पर रिलीज होने वाली फिल्में न सिर्फ दर्शकों से जुड़ती हैं, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन करती हैं। 'पठान', 'फाइटर', 'स्काई फोर्स' और 'पद्मावत' जैसी फिल्मों ने साबित कर दिखाया है कि गणतंत्र दिवस पर फिल्मों का रिलीज होना किसी वरदान से कम नहीं।

दरअसल, गणतंत्र दिवस के मौके पर दर्शकों में देशभक्ति की भावना चरम पर होती है। छुट्टी होती है, परिवार साथ होता है, और लोग ऐसी फिल्में देखना पसंद करते हैं जो गर्व और जुनून से भर दें। यही वजह है कि मेकर्स इस तारीख को 'गोल्डन डेट' मानते हैं।

बॉर्डर 2: 'बॉर्डर 2' 1997 में आई जे.पी. दत्ता की क्लासिक फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध पर आधारित थी। नई फिल्म भी उसी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है, लेकिन इसे नए दौर की कहानी और भावनाओं के साथ पेश किया जा रहा है। फिल्म में सनी देओल एक बार फिर दमदार अंदाज में नजर आएंगे। उनके साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 23 जनवरी को रिलीज होने जा रही इस फिल्म की एडवांस बुकिंग को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। माना जा रहा है कि यह फिल्म वीकेंड पर बड़ा रिकॉर्ड बना सकती है।

स्काई फोर्स: अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया स्टारर 'स्काई फोर्स' को 24 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज किया गया था।

यह फिल्म भारतीय वायुसेना के साहस और बलिदान की कहानी दिखाती है। फिल्म में देश की सुरक्षा के लिए जान की बाजी लगाने वाले पायलट्स की कहानी को इमोशन और एक्शन के साथ दिखाया गया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया। सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 112.75 करोड़ रुपए रहा, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 149 करोड़ रुपए तक पहुंचा। दर्शकों ने फिल्म के देशभक्ति वाले अंदाज को सराहा।

फाइटर: 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' ने गणतंत्र दिवस पर शानदार कमाई की। फिल्म में अनिल कपूर भी अहम भूमिका में नजर आए। 'फाइटर' की कहानी भारतीय वायुसेना के एक एलीट फाइटर स्क्वाड के इर्द-गिर्द घूमती है। हाई-ऑक्टेन एक्शन, देशभक्ति और भावनात्मक पहलुओं ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। फिल्म का इंडिया नेट कलेक्शन 212.73 करोड़ रुपए रहा और यह अपने बजट से ज्यादा कमाई करने में सफल रही। ऋतिक और दीपिका की जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

पठान: 25 जनवरी 2023 को रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' ने गणतंत्र दिवस पर इतिहास रच दिया। लंबे समय बाद शाहरुख की वापसी को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। फिल्म एक जासूस की कहानी है, जिसमें देश की सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा रहा।

रिहर्सल

गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में रिपब्लिक डे परेड रिहर्सल से पहले एक एनसीसी कैडेट एक साथी कैडेट की टोपी ठीक करता हुआ

नेतन्याहू ने ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने की सहमति दी

यरुशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है।

इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूल रूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है। उसमें कहा गया था कि गाजा कार्यकारी समिति की संरचना के लिए इजराइल की सरकार के साथ समन्वय नहीं किया गया और यह उसकी नीति के प्रतिकूल है। समिति में उसका प्रमुख क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तुर्किये शामिल है।

बोर्ड में शामिल होने का नेतन्याहू का फैसला उनके गठबंधन में शामिल कुछ धुर दक्षिणपंथी सहयोगी दलों के साथ टकराव को बढ़ावा दे सकता है। इजराइल के वित्त मंत्री बेजालिल स्मोतरिक ने बोर्ड की निंदा की थी और इजराइल से गाजा के भविष्य के बारे में एकपक्षीय तरीके से जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया था।

संयुक्त अरब अमीरात, मोरक्को, वियतनाम, कजाकिस्तान, हंगरी, अर्जेंटीना और बेलारूस बोर्ड में शामिल हो चुके हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, कनाडा, मिस्र, रूस, तुर्किये और यूरोपीय संघ की कार्यकारी शाखा समेत अन्य देशों का कहना है कि उन्हें निमंत्रण मिला है लेकिन उन्होंने अभी तक जवाब नहीं दिया है। नेतन्याहू की घोषणा ऐसे समय में आई है जब ट्रंप स्विटजरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भाग लेने के लिए रवाना हुए हैं।

जापान में दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन फिर से होगा शुरू

टोक्यो/एपी। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।फुकुशिमा में टीईपीसीओ से जुड़ी पिछली सुरक्षा समस्याओं के कारण काशीवाजाकी कारिवा संयंत्र के संचालन को लेकर लोग चिंतित हैं, खासकर इसलिए भी क्योंकि यह संयंत्र एक अलग-थलग और भूकंप संभावित क्षेत्र में स्थित है।

काशीवाजाकी कारिवा परमाणु संयंत्र के सभी सात रिएक्टर मार्च 2011 में जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित फुकुशिमा दाइची संयंत्र में भीषण भूकंप और सुनामी आने के एक साल बाद से बंद पड़े हैं।

उस हादसे में रिएक्टर पिघल गए थे और रेडियोधर्मी पदार्थों के भारी रिसाव से आसपास की जमीन इतनी दूषित हो गई कि कुछ इलाके आज भी रहने योग्य नहीं हैं।टीईपीसीओ अभी भी अपनी छवि को हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रही है। वह फुकुशिमा दाइची संयंत्र में सफाई कार्य भी कर रही है, जिसकी अनुमानित लागत 22 ट्रिलियन येन (लगभग 139 अरब डॉलर) है।

सरकारी और स्वतंत्र जांच में फुकुशिमा त्रासदी के लिए टीईपीसीओ की खराब सुरक्षा व्यवस्था को दोषी ठहराया गया था और सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलीभगत के लिए कंपनी की आलोचना हुई थी।

साल 2011 के बाद से जापान में कुल 14 अन्य परमाणु रिएक्टरों का फिर से संचालन शुरू किया गया है, लेकिन यह पहली बार है जब टीईपीसीओ संचालित रिएक्टर फिर से उत्पादन करने लगा है।

बातचीत

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी बुधवार को मुंबई में अपनी आने वाली फिल्म ओ'रोमियो के पोस्टर लॉन्च के दौरान फैंस से बातचीत करते हुए।

डेटिंग के लिए प्रोफेशन नहीं, इंसान मायने रखता है : शिवांगी जोशी

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री शिवांगी जोशी अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। उन्होंने हाल ही में डेटिंग और रिलेशनशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत के लोगों को डेट करने के बारे में सवाल किया था। होस्ट ने पूछा था कि क्या वे इंडस्ट्री के लड़कों को डेट करना पसंद करेंगी या नहीं। इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने साफ तरीके से कहा कि उनके लिए किसी भी रिश्ते की नींव इंसानियत, आदर और आपसी समझ पर टिकी होना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि प्यार का किसी इंडस्ट्री या प्रोफेशन से कोई लेना-देना है। यह पूरी तरह से इंसान पर निर्भर करता है। असल में ये सब सम्मान, समझदारी, सच्चा प्यार और अच्छे मूल्यों पर आधारित होता है। इसलिए किसी का प्रोफेशन मेरे लिए मायने नहीं रखता है। हालांकि, अभिनेत्री अपनी लव लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं।

गोल्डी आनंद : स्टाइलिश पिक्चराइजेशन से दर्शकों के दिलों पर छोड़ी छाप, हर सीन और गाने में डाली जान

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल अपनी फिल्मों से ही नहीं, बल्कि अपनी अनोखी शैली से भी हमेशा याद रहते हैं। विजय आनंद, जिन्हें गोल्डी आनंद के नाम से भी जाना जाता था, ऐसे ही फिल्मकार थे। उन्होंने न केवल अपने निर्देशन और कहानी कहने के अंदाज से सिनेमा को नया रंग दिया, बल्कि वे अपने गानों में स्टाइलिश पिक्चराइजेशन के लिए भी हमेशा जाने जाते रहे। उनके गाने जैसे 'ओ हसीना जुल्फों वाली', 'आज फिर जीने की तमन्ना है', और 'होंठों में ऐसी बात' आज भी दर्शकों के दिलों में बसते हैं। उनका यह अंदाज उनकी फिल्मों के हर सीन में चमकता था और दर्शकों को एक अलग अनुभव देता था। विजय आनंद का जन्म 22 जनवरी 1934 को पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। उनके परिवार में पहले से ही फिल्मी माहौल था। उनके बड़े भाई चेतन आनंद एक प्रसिद्ध निर्देशक और प्रोड्यूसर थे, जबकि देव आनंद एक सुपरस्टार अभिनेता और निर्देशक के रूप में जाने जाते थे। ऐसे परिवार में पले-बढ़े विजय ने भी बचपन से ही कला और सिनेमा की ओर रुचि दिखाई। उनके पिता पिशोरी लाल आनंद एक सफल वकील थे। उनकी माता

का बचपन में ही निधन हो गया था, इसलिए वे बड़े भाई और भाभी की छत्र-छाया में बड़े हुए। विजय आनंद ने अपनी पढ़ाई मुंबई से की। कॉलेज के दिनों में उन्होंने अपनी भाभी उमा आनंद के साथ मिलकर एक स्क्रिप्ट लिखी, जो आगे चलकर फिल्म 'टैक्सी ड्राइवर' बनी। यह फिल्म 1954 में रिलीज हुई और इसे उनके बड़े भाई चेतन आनंद ने डायरेक्ट किया। इस फिल्म में देव आनंद मुख्य अभिनेता थे। इस अनुभव ने विजय आनंद को फिल्म इंडस्ट्री की बारीकियां समझने का मौका दिया।

विजय आनंद ने 23 साल की उम्र में अपनी पहली फिल्म 'नौ दो ग्यारह' डायरेक्ट की। उस समय कम उम्र में इतनी परिपक्वता देख सभी हैरान रह गए थे। उन्होंने केवल 40 दिनों में इस फिल्म की शूटिंग पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने 'काला बाजार', 'तेरे घर के सामने', और 'गाइड' जैसी फिल्में बनाईं। खासकर 'गाइड', जो आर.के. नारायण के उपन्यास पर आधारित थी, ने उन्हें और देव आनंद को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी फिल्मों की सबसे खास बात उनका गानों को दिखाने का अंदाज था। विजय आनंद हर गाने को एक कहानी की तरह पेश करते थे। चाहे वह रोमांटिक गाना हो या थ्रिलर सीन, उनका स्टाइलिश पिक्चराइजेशन हर बार दर्शकों को आकर्षित करता। 'ओ हसीना जुल्फों वाली' में उनकी आधुनिकता और डांस की समझ साफ दिखाई देती है, जबकि 'आज फिर जीने की तमन्ना है' में भावनाओं और संगीत को पूरी तरह महसूस कराया गया। इसी तरह 'होंठों में ऐसी बात' में रोमांस और रहस्य का अद्भुत मिश्रण था, जो आज भी फिल्म प्रेमियों को याद है।

विजय आनंद ने केवल निर्देशक ही नहीं बल्कि अभिनेता, लेखक और संपादक के रूप में भी काम किया। उन्होंने 'आगरा रोड', 'कोरा कागज', 'हकीकत' और 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। 1990 के दशक में दूरदर्शन पर 'तहकीकात' नामक सीरियल में डिटेक्टिव सैम की भूमिका निभाकर उन्होंने टीवी दर्शकों के लिए भी अपने अभिनय का जादू दिखाया।

विजय आनंद को उनकी फिल्मों के लिए कई पुरस्कार मिले। 'गाइड' के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, वहीं 'जॉनी मेरा नाम' और 'डबल क्रॉस' जैसी फिल्मों के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ संपादन और पटकथा के पुरस्कार भी मिले। कामयाबी के बीच विजय आनंद ने अपने जीवन में कठिन दौर भी देखे। कई फिल्मों की असफलता और व्यक्तिगत परेशानियों के चलते वे डिप्रेशन का शिकार हो गए और कुछ समय के लिए ओशो के शरण में चले गए। आध्यात्मिक समय ने उन्हें मानसिक शांति दी, लेकिन 23 फरवरी 2004 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' 2026 में ही होगी रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। भंसाली के भव्य विज़न वाली इस ग्रैंड हिस्टोरिकल ड्रामा में पहली बार आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में एक साथ नजर आएंगे। शानदार सेट्स, दमदार कोरियोग्राफी और इमोशनल म्यूज़िक के लिए मशहूर भंसाली इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एक यादगार सिनेमैटिक अनुभव देने की तैयारी में हैं। हाल ही में फिल्म की रिलीज़ को लेकर यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज़ होगी। हालांकि, फिल्म से जुड़े एक भरोसेमंद सूत्र ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज करते हुए साफ किया है कि फिल्म 2026 में ही सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। सूत्र के मुताबिक, संजय लीला भंसाली हाल ही में फिल्म का एक गाना शूट कर चुके हैं, जबकि फिल्म के ज़्यादातर महत्वपूर्ण सीन पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। पोस्ट-प्रोडक्शन की तैयारी भी तय समय के अनुसार चल रही है।

फिल्म से जुड़े सूत्र ने बताया कि 'लव एंड वॉर' का पहला गाना 20 जनवरी से गोरेगांव फिल्म सिटी में शूट किया जाएगा। इस गाने में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। इस हाई-एनर्जी ट्रैक की कोरियोग्राफी गणेश आचार्य करेंगे, जो भंसाली के सिग्नेचर स्टाइल में फिल्माया जाएगा। इसके अलावा, फिल्म का दूसरा गाना फरवरी में शूट किया जाएगा, जिसकी कोरियोग्राफी श्यामक डावर करेंगे। यह गाना पहले से भी ज्यादा भव्य और एक्सपेरिमेंटल होगा।

वॉर पीरियड की पृष्ठभूमि में चल रहे लव ट्रायंगल की इमोशनल गहराई को यह ट्रैक और मजबूती देगा। भव्य कहानी, स्टारकास्ट और शानदार म्यूज़िकल ट्रैक्स को देखते हुए 'लव एंड वॉर' को 2026 का सबसे बड़ा सिनेमैटिक इवेंट माना जा रहा है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

जब सेहत बनी प्राथमिकता: जाकिर खान से लेकर सामंथा तक, इन सेलेब्स ने हिम्मत दिखाकर लिया कैरियर से ब्रेक

मुंबई/एजेन्सी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री बाहर से जितनी चमकदार दिखती है, अंदर से उतनी ही थकाने वाली भी होती है। लगातार काम, बिना रुके शूटिंग, टूर, ट्रैवल और लोगों की उम्मीदों का बोझ, इन सबके बीच कलाकार अक्सर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन जब शरीर और दिमाग जवाब देने लगते हैं, तब ब्रेक लेना मजबूरी नहीं बल्कि समझदारी भरा कदम बन जाता है। हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने सेहत के चलते स्टेज शो से लंबे ब्रेक का ऐलान किया। ऐसा करने वाले वह अकेले नहीं हैं। उनसे पहले भी कई सेलेब्स ने करियर के पीक पर होते हुए भी सेहत को प्राथमिकता दी और काम से दूरी बनाई। जाकिर खान ने अपने शो के दौरान खुलासा किया कि वह लंबे समय तक स्टेज से दूर रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन्होंने अपनी हेल्थ और निजी कारणों की वजह से लिया है। पिछले करीब दस सालों से जाकिर लगातार टूर कर रहे थे। दिन में लगातार कई शो, नींद की कमी, अनियमित खान-पान और लगातार ट्रैवल, यह सब उनकी सेहत पर भारी पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय तक इस थकान को नजरअंदाज करते रहे, लेकिन अब लगा कि समय रहते रुकना जरूरी है। जाकिर ने बताया कि वह 2028-29 या 2030 के आसपास ही स्टेज पर वापसी करेंगे।

जाकिर से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी भी ऐसा ही कदम उठाया था। फिल्म 'रॉकस्टार' से शानदार डेब्यू करने वाली नरगिस से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन लगातार काम और अपेक्षाओं का दबाव उन्हें अंदर से तोड़ने लगा। नरगिस ने बाद में इस पर खुलकर बात की और एक इंटरव्यू में बताया कि कि वह मानसिक रूप से ठीक महसूस नहीं कर रही थीं। साल 2016-17 के आसपास उन्हें एहसास हुआ कि काम उन्हें खुशी नहीं दे रहा है। बैक-टू-बैक फिल्में, इंडस्ट्री का प्रेशर और अपने परिवार व दोस्तों से दूरी, इन सबने मिलकर उन्हें मानसिक तनाव में डाल दिया।

इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला किया और न्यूयॉर्क जाकर अपने परिवार के साथ वक्त बिताया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में यह डर दिखाया जाता है कि अगर आप ब्रेक लेंगे तो लोग आपको भूल जाएंगे, लेकिन उनके लिए उस वक्त मेंटल और फिजिकल हेल्थ ज्यादा जरूरी थी।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सुपरस्टार सामंथा रुथ प्रभु की कहानी भी प्रेरक है। सामंथा को मायोसाइटिस जैसी गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ा। इस बीमारी के चलते उन्हें शूटिंग छोड़नी पड़ी और इलाज के लिए अमेरिका जाना पड़ा। उस समय वह करियर के बेहतरीन दौर में थीं, लेकिन उन्होंने बिना किसी झिझक के ब्रेक लिया। इलाज और रिकवरी के बाद सामंथा ने दोबारा काम शुरू किया, अपनी फिल्मों की शूटिंग पूरी की। उनका कहना है कि अगर आपकी सेहत आपका साथ नहीं दे रही, तो स्टारडम भी फीका लगता है।

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस सना मकबूल ने भी सेहत को पहले रखते हुए एक्टिंग से ब्रेक लिया था। सना को लिवर से जुड़ी ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस नामक गंभीर बीमारी थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते हुए लिवर सिरोसिस तक पहुंच गई। वह इस बीमारी से सालों तक जूझती रही। हालात बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और काम से ब्रेक लेना पड़ा। सना ने बताया कि जब उनका करियर एक अच्छे मोड़ पर था, तभी उनकी सेहत ने साथ छोड़ दिया। इसके बावजूद, वह टूटने के बजाय पॉजिटिव रहीं। उन्होंने अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव किया, यहां तक कि वीगन डाइट भी अपनाई।

जयपुरः नितल इंफ्रा द्वारा स्टूडियो एवं 3 बीएचके की पेशकश

बिल्डर्स के दावे के अनुसार परियोजना जेडीए से अनुमोदित और रेरा में पंजीकृत है

जयपुर/दक्षिण भारत। नितल हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह आवासीय योजना अजमेर रोड स्थित वाटिका इंफोटेक सिटी में है, जहां स्टूडियो एवं 3 बीएचके अपार्टमेंट उपलब्ध हैं।

इस परियोजना को नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित किया जा रहा है। बिल्डर कंपनी ने बताया कि यह परियोजना जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से अनुमोदित और रेरा में पंजीकृत है। यह मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3ए के तहत विकसित है। नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स ने कहा कि खरीदारों के लिए 90 प्रतिशत तक होम लोन की सुविधा होगी। इसके अलावा क्लब हाउस और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स और प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक लाख रुपए तक की विशेष छूट दी जाएगी। नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स ने कहा कि स्टूडियो फ्लैट की पंजीकरण राशि 66,000 रुपए और मूल कीमत 23 लाख रुपए है। वहीं, 3 बीएचके फ्लैट की पंजीकरण राशि 96,000 रुपए और मूल कीमत 44 लाख रुपए है। आवेदन के लिए वेबसाइट nitalcmjanawas.in पर लॉग इन कर सकते हैं या फोन नं. 9785807000 पर संपर्क कर सकते हैं। अंतिम तिथि 24 जनवरी है।

'मर्यादा क्वेस्ट ' क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा मर्यादा महोत्सव के उपलक्ष्य में 'मर्यादा क्वेस्ट-चलो खोजें मर्यादा का मर्म' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षा सुनीता कोठारी ने सबका स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष उषा चौधरी और संतोष वेदमुथा ने निर्णायिका की भूमिका निभाई। इस कार्यशाला का उद्देश्य तेरापंथ की मर्यादाओं को केवल नियम के रूप में नहीं, बल्कि जीवन साधना के रूप में समझना था। प्रतियोगिता में भिक्षु, जय, तुलसी, महाप्रज्ञ और महश्रमण नाम की पांच टीम बनाई गई जिन्होंने 5 रोचक और ज्ञानवर्धक राउंड्स खेले। प्रतियोगिता का संचालन सुमन वेदमुथा ने किया। तुलसी टीम ने प्रथम स्थान, जय टीम ने दूसरा स्थान और भिक्षु टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। भावना पोरवार और सपना गन्ना इस कार्यक्रम की संयोजिका थीं। उन्होंने सभी 35 प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। ङ्कमहिला मंडल ने एक अन्य कार्यक्रम के तहत केएलई स्कूल राजाजीनगर में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग अभियान के अंतर्गत कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस सेशन में मुख्य वक्ता मणिपाल अस्पताल की महिला विशेषज्ञ एंडोस्कोपी सर्जन डॉ. अक्षिता सेठ ने उपस्थित 50 से अधिक सदस्याओं को कैंसर के लक्षण, बचाव व सावधानी की जानकारी दी। मंडल की अध्यक्षा सुनीता कोठारी, मंत्री अरुणा कोठारी सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

पाट बिठाई के साथ मुमुक्षु लवेश सिंघवी का दीक्षा महोत्सव प्रारंभ

पुष्कर भवन में पांच दिवसीय कार्यक्रमों की हुई मंगल शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के तत्वावधान में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव का मंगल शुभारंभ बुधवार को उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी व डॉ मेघाश्रीजी की निश्रा में सकल संघ की उपस्थिति में हुआ। पांच दिवसीय कार्यक्रमों के अन्तर्गत पहले दिन बुधवार को प्रातः 9 बजे से मुमुक्षु लवेश सिंघवी के पाट बिठाई के कार्यक्रम से दीक्षोत्सव की मंगल शुरुआत हुई।ङ्कङ्कइस अवसर पर दीक्षार्थी मुमुक्षु के सांसरिक दादा-दादी तेजराज विमलादेवी,माता-पिता रचनादेवी, संजय सिंघवी के साथ उनके समस्त परिवारजनों, सम्बन्धीगणों, सिंधनूर निवासी के साथ संपूर्ण दीक्षा महोत्सव के लाभार्थी धर्म परिवार भंसाली परिवार एवं रातड़िया परिवार जनों की उपस्थिति में मुमुक्षु लवेश सिंघवी की पाट बिठाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया।कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के पदाधिकारियों, स्थानकवासी महासंघ, विजयनगर संघ आदि संघ संस्थाओं की ओर से भी मुमुक्षु का सम्मान किया गया। ङ्कङ्कइस अवसर पर उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी ने कहा कि संसार में जितनी भी जीवात्माएं हैं उन सब पर कर्मो का कर्जा चढा हुआ है। आध्यात्म के क्षेत्र में चाहे तीर्थंकर, चक्रवर्ती, वासुदेव हो, साधु साध्वी, सभी संसारी प्राणियों कों यह कर्मों का कर्जा चुकाना पड़ता है। अपने कर्मों का क्षय किए बिना जीव को इस संसार से मुक्ति नहीं मिलती है। मुमुक्षु लवेश संयम मार्ग को स्वीकार कर आगे बढ़ते हुए समय से पहले अपने कर्मों का भुगतान करने आज संयम पाट बिठाई करते हुए जीव से शिव की राह पर निकल चुका है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में सहन शक्ति का गुण व्यक्ति के व्यवहार जीवन में आना चाहिए। जिसको सहना आ गया, समझो उसे इस संसार में रहना आ गया। अनन्त शक्ति संपन्न महान बलशाली होकर भी तीर्थंकर परमात्मा भगवान महावीर ने अपने साढ़े बारह वर्ष की साधना में आने वाले सब कष्टों, परिषहों को समभाव

से सहन किया। तब भगवान महावीर को केवल ज्ञान, केवल दर्शन की प्राप्ति हुई।

संचालन करते हुए शालिभद्रमुनिजी ने संसार के भीषण चक्रव्यूह से बाहर निकलने के लिए और परम सुखी बनने के लिए संयम का मार्ग ही एक मात्र रास्ता है। जिस पर चलकर जीव अपने मुक्ति मंजिल की राह प्रशस्त कर सकता है। आज वैरागी मुमुक्षु लवेश सिंघवी ने भी संयम की राह पर आगे निकल पड़ा है। गुरु मां महासाध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी से संयम मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होकर गुरु पुष्कर बगिया में एक नव पुष्प खिला है। साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी आदि साध्वी मंडल ने भी मुमुक्षु लवेश के संयम मार्ग पर आगे बढ़ने पर मंगल अनुमोदना करते हुए अपने आशीर्वचन प्रदान किए।आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सबका आभार प्रकट किया। इस अवसर पर धर्म सभा में अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, वरिष्ठ सुश्रावक मीठालाल भंसाली, महावीरचन्द धारीवाल, उत्तमचंद रातड़िया, पदमचंद रातड़िया, दीक्षार्थी बन्धु के परिवारजन, महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया, शांतिनगर संघ के मंत्री छगन मल लुणावत, माणकचन्द बडेरा, विनोद भुरट, कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, मंत्री नेमीचंद दलाल, अनेक संघ संस्थाओं के अनेक गणमान्य पदाधिकारी गण सहित समाज के अनेक व्यक्ति उपस्थित थे। दोपहर में चौबीसी गीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंत में सभी गुरु भगवंतों ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दीक्षा महोत्सव के आगामी कार्यक्रम

मुमुक्षु लवेश सिंघवी के दीक्षा महोत्सव के पांच दिवसीय कार्यक्रमों के अन्तर्गत दूसरे दिन गुरुवार को सुबह 9 बजे प्रवचन व दोपहर 2 बजे मेहंदी-सांझी, तीसरे दिन शुक्रवार को सुबह 9 बजे केसर समारोह, दोपहर में सांझी, चौथे दिन शनिवार को सुबह 8.30 बजे संयम शोभायात्रा व वर्षीदान वरघोड़ा पार्कवेस्ट से प्रारंभ होकर गुरुवन्ना देवरु मठ के लिए तथा उसी दिन दोपहर 2 बजे संयम संगीत व बड़ी सांझी व रात्रि 7 बजे से दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह होगा जिसमें बंधु साफा मंडल भजनों व गीतों की प्रस्तुति देंगे। मुख्य आखिरी दिवस रविवार को नरेशमुनिजी व अन्य साधु साध्वियों के सान्निध्य में सुबह 7.30 बजे बृहद थाल विधि, सुबह 8.30 बजे महाभिनिष्क्रमण यात्रा तथा 9 बजे दीक्षोत्सव का आयोजन गुरुवन्ना देवरु मठ पर आयोजित होगा। सम्पूर्ण दीक्षा महोत्सव के लाभार्थी मरक्युरी पेपर एजेन्सी के मीठालाल दीपचन्द भंवरलाल भंसाली व सुमन इलेक्ट्रिक उद्योग के उत्तमचन्द पदमराज मनीष रातड़िया परिवार वाले हैं।

बजट में कपड़ों पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी करने की खागा ने की मांग, भेजा ज्ञापन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक होजरी एंड गारमेंट एसोसिएशन (खागा) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ज्ञापन भेजकर निवेदन किया है कि यूनियन बजट में गारमेंट पर एक ही दर 5 प्रतिशत लगाई जाए। जीएसटी कौंसिल ने 2500 रु मूल्य पर 18 फीसदी दर लगा दी है जिस पर पुनर्विचार किया जाए अर्थात सभी गारमेंट पर एक ही दर यानी 5 प्रतिशत किया जाए। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, पूर्व अध्यक्ष व कराधान समिति के चेयरमैन सज्जनराज मेहता एवं मंत्री कैलाश बालर ने संयुक्त ज्ञापन भेजा। खागा ने बताया कि कम दर होने से एमएसएमई, छोटे निर्माताओं, बुनकरों, हथकरघा इकाइयों और स्थानीय खुदरा विक्रेताओं को बहुत ज़रूरी राहत मिलेगी, जिससे वे प्रतिस्पर्धी बने रहेंगे और अपने काम को जारी रख पाएंगे। उन्होंने बताया कि बढ़ती महंगाई के मौजूदा माहौल में, कपड़ों जैसी ज़रूरी चीज़ों पर टैक्स कम करने से परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। संस्था ने केंद्रीय मंत्री से विनम्र अनुरोध करते हुए आने वाले केंद्रीय बजट में मांग अनुकूल बदलाव करने की अपील की है।

सेवा, सरलता व सौम्यता का त्रिवेणी संगम है उपप्रवर्तक पंकजमुनि : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोवा। उपप्रवर्तक पंकजमुनिका संयम दिवस वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, मडगांव के जैन स्थानक में आयोजित किया गया। इस मौके पर डॉ. वरुणमुनिजी ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत सौभाग्यशाली है, क्योंकि हम राष्ट्रसंत, उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी का संयम दिवस मना रहे हैं। उनका जन्म हरियाणा प्रांत के साढोरा ग्राम में एक अग्रवाल जैन परिवार में हुआ। श्रुताचार्यश्री अमर मुनि जी के दर्शन से उनका सांसारिक जीवन से साधना की ओर मुड़ गया। कई वर्षों तक उन्होंने गुरुदेव की निश्रा में रहकर विद्या अध्ययन किया। वर्ष 1984 में 15 जनवरी को अशोक विहार, दिल्ली में उन्होंने दीक्षा ग्रहण की।

दीक्षा ग्रहण करते ही उन्होंने गुरु सेवा को अपने जीवन का प्रमुख अंग बना लिया। गुरु सेवा के साथ-साथ आप बीमार संतों, वृद्ध संतों तथा नवदीक्षित संतों की सेवा में सदैव तत्पर रहे हैं। लगभग 42 वर्षों से निरंतर सेवा करते हुए आप अपने पुण्य को बढ़ा रहे हैं। सेवा के साथ-साथ सरलता उनके जीवन का विशेष गुण है। सभी के सुख-दुख का ध्यान रखते हुए उनकी समस्याओं को प्रेमपूर्वक सुनते हैं और सरल, सहज उपाय बताते हैं। वे सदैव वर्तमान में जीने की प्रेरणा देते है। उन्होंने अपने संयम जीवन में अनेक संतों की सेवा की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया है। वर्ष 2013 से श्रुताचार्य श्री अमर मुनिजी के पश्चात गुरु परिवार का नेतृत्व कर रहे हैं और माला के सूत्र की भांति सभी को जोड़कर धर्म परिवार को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। 42 वर्षों से उनकी संयम यात्रा लोकमंगल और लोककल्याण के लिए पूर्णतः समर्पित है। इस अवसर पर श्री संघ के महामंत्री अनिल गोसालिया एवं प्रकाश गन्ना ने संघ की ओर से गुरुदेव को शुभकामनाएं दी। मुनिश्री रूपेश मुनिजी ने सामूहिक जाप कराकर अपनी शुभकामनाएँ अर्पित कीं। अंत में पंकजमुनिजी ने उपस्थित सभी को आशीर्वाद देते हुए मंगल पाठ प्रदान किया।

जीतो साउथ और जेबीएन ट्रेंडसेटर ने आयोजित किया 'बिजनेस भामाशाह'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ और जेबीएन ट्रेंडसेटर ने 'बिजनेस भामाशाह' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया।व्यावसायिक अवसर प्रदान करने और अर्थपूर्ण, दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक रूप से डिज़ाइन किए गए इस कार्यक्रम में 6 कंपनियों ने भाग लिया। सभी कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि आज के तेज़ गति वाले व्यावसायिक जगत में, नेटवर्किंग और सहयोग सफलता की कुंजी हैं।

जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा कि बिजनेस भामाशाह कार्यक्रम ने जेबीएन के सदस्यों को उद्योग के नेताओं से जुड़ने और नए व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने के लिए एक मंच प्रदान किया। मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने शुभकामनाएं दी। जेबीएन साउथ के संयोजक विजय मेहता ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। सह-संयोजक ललित बागरेचा ने बताया कि कार्यक्रम में 175 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति थी। इस पहल का नेतृत्व ट्रेंडसेटर यूनिकॉर्न्स टीम ने किया, जिसमें रेफरल प्रमुख दर्शित सुराना, रेफरल लीड कमल बोहरा और रेफरल सचिव प्रफुल दिनेश का सहयोग मिला।

स्थानकवासी महासंघ ने मुमुक्षु लवेश का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन महासंघ ने आज गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र के तत्वावधान में आयोजित मुमुक्षु लवेश सिंघवी के पाट बैठाई समारोह में श्रमण संघीय उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित समारोह में महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया के नेतृत्व में मुमुक्षु का सम्मान किया और भावी संयम जीवन की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना के साथ जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, मंत्री नेमीचंद दलाल, नेमीचंद सालेचा, महावीर मेहता, छगनमल लूणावत, दीपचंद भंसाली, ज्ञानचंद लोढ़ा, दिनेश पोकरणा, रतनचंद सिंघी, राकेश दलाल, शंकर दक सहित अनेक जन उपस्थित थे।

उडुपी में भगवा झंडा उठाने के लिए कांग्रेस ने की उपायुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग, डीसी ने दी सफाई

उडुपी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यहां धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त टी के स्वरूपा द्वारा भगवा झंडा उठाए जाने पर आपत्ति जताते हुए उन पर कार्रवाई की मांग की जबकि अधिकारी ने कहा कि वह आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और उनकी भागीदारी किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं थी। जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ ने 18 जनवरी को पर्याय यात्रा की शुरुआत के दौरान भगवा झंडा उठाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर स्वरूपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।सोमवार को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में, उडुपी जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरीश शेट्टी ने कहा था कि 18 जनवरी की सुबह, जोदु कट्टे से कृष्णा मठ तक यात्रा की शुरुआत से पहले, उडुपी भाजपा विधायक यशपाल सुवर्णा ने आरएसएस का झंडा डीसी को दिया, जिसे उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाया और लहराया। उन्होंने कहा कि उपायुक्त (डीसी) का यह व्यवहार अस्वीकार्य है, क्योंकि यह अधिकारी के सेवा नियमों के खिलाफ है और संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है।

स्वरूपा ने जवाब देते हुए एक बयान में कहा, रविवार, 18 जनवरी को तड़के तीन बजे, उडुपी श्री कृष्ण मठ के द्विवार्षिक पर्यायोत्सव कार्यक्रम के तहत, मैंने उडुपी नगर परिषद के प्रशासक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों के तहत ''स्वामीजी के पुराप्रवेश'' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। इसी तरह, मैंने नए पर्याय स्वामीजी के लिए नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम और स्वामीजी के सर्वज्ञ पीठ पर आसीन होने के बाद आयोजित दरबार कार्यक्रम में भी भाग लिया। मैं सार्वजनिक रूप से यह बताना चाहती हूं कि मेरी भागीदारी किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं थी।अठारह जनवरी को हुए पर्याय या पर्यायोत्सव में, उडुपी श्रीकृष्ण मंदिर के पूजा-प्रबंधन और प्रशासनिक नियंत्रण का औपचारिक हस्तांतरण शिरूर मठ को किया गया, जिसमें श्री वेदवर्धन तीर्थ स्वामीजी ने 2026-28 की अवधि के लिए मंदिर के पीठाधीश्वर-प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी संभाली। उडुपी में 'पर्याय' व्यवस्था एक परिवर्ती व्यवस्था है, जिसके तहत मंदिर का प्रबंधन आठ मठों-पेजावारा, पुट्टिगे, आदमारु, कृष्णपुर, शिरूर, सोढे, कणीयूर और पालीमारु-द्वारा किया जाता है, और प्रत्येक मठ दो साल के लिए जिम्मेदारी संभालता है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**